जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जाफरपुर आजमगढ़

लोक विधाओं पर आधारित लोक गीत

(संकलन और रचना)

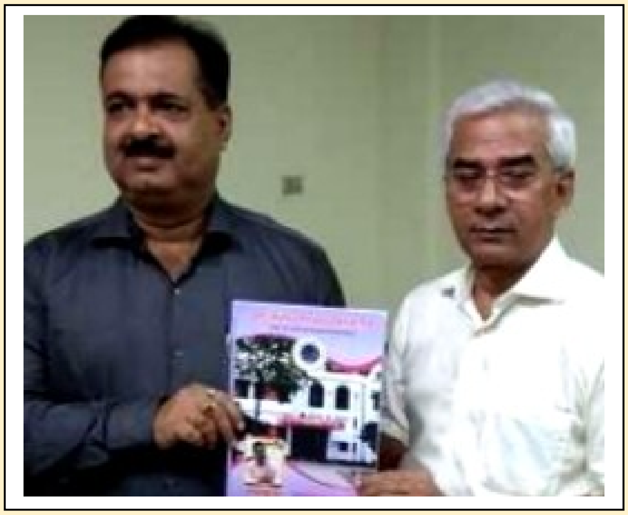

आवरण पृष्ठ में प्रयुक्त चित्र का रिसोर्स लिंक- https://images.app.goo.gl/EFPepiWYU59maWgW6

संरक्षण एवं मार्गदर्शन

डॉ सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह

निदेशक बेसिक शिक्षा एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ

निर्देशन

श्री अमर नाथ राय

उप शिक्षा निदेशक/ प्राचार्य

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जाफरपुर आजमगढ़

संकलनकर्ता

डॉ भावना मिश्रा (प्रवक्ता)

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जाफरपुर आजमगढ़

टीम सदस्य (संकलन में सहयोगी सदस्य)

श्रीमती पुष्पा श्रीवास्तव (गृहणी)

ग्राम- फैजपुर, ब्लाक – जहानागंज, जनपद आज़मगढ़

श्री रामबदन यादव (SRG आजमगढ़)

श्रीमती सरोज यादव (ARP पल्हनी आजमगढ़)

ग्राफिक्स & डिजाइन

श्री आशुतोष कुमार श्रीवास्तव

(प्रवक्ता रसायन विज्ञान)

शैक्षिक तकनीकी विभाग

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान

जाफरपुर आजमगढ़

अनुक्रमणिका

क. भूमिका
ख. प्रस्तावना
ग. धार्मिक गीत

- पचरा
  1. जय बोलो जगदम्बा भवानी
  2. तोहरे चरनिया के पूजा करीला
  3. कवन फुलवा हरियर कवन कचनार हो
  4. अमवाँ लगवल हो मोरे पिया
  5. निमिया की डरिया मईया
  6. माई मोरी शीतला भवानी
  7. ला मईया बीड़ा
  8. कहवाँ से आवलिन कालिय मईया
  9. डलिया की डलिया घुमेलिन मलिनिया
- छठ
  10. कांचही बांस के बहगिया
  11. केरवा जे फरेला खबद से
  12. कहे सारा दस्तनवा राधा गुज़री
  13. हमसे बता दे कान्हा
  14. डम डम डमरू बजावे ले

घ. सोहर

15. गोकुला में बाजे ला बधईया
16. ठुमुकि ठुमुकि ढोलिया बाजेला
17. सुतल मैं रहनो ओसरवा
18. मडवे में हमरो बियाह भईले
19. कहवाँ ही जनमले राम
20. स्तुति करे मईया देवकी
21. पियवा जे मोरा सिव नवकर

ङ. मुंडन गीत

22. सोने क खरऊआ
23. सभवा ही बइठल बाबा

च. जनेऊ गीत / यज्ञोपवीत संस्कार

24. बाग़ में कोयलिया बोले दुअरा पे मोर हे

छ. विवाह गीत

25. केकर ऊँची महलिया
26. घुमरी घुमरी बाबा बगिया लगावें
27. बेरिया क बेरिया तोहे बरजिला
28. कहवाँ क पियर माटी
29. हरे हरे बसिया

30. भरी भरी अंजुरी से
31. कहवाँ के तिलक
32. हरे हरे बसवा कटावा मोरे पापा
33. स्वागत में गारी सुनाई जे
34. एही पार गंगा ओही पार जमुना
35. अरे भोर भयल भिनसहरा
36. तीनों देव भक्तिन आजू
37. बेटी द्वारे खेले मत जइयो
38. बाबा कहले बेटी नियरे बियाहिब
39. मचिया ही बइठलिन माता कौसिल्या हो
40. जसोदा जी के भये नन्दलाल
41. मोरे पिछवा हो घनी बसवरिया
42. पांच ही पेड़ बाबा
43. राजा जनक घर कन्या जनाम्लिन
44. चार चार खंड हमरे बाबा क पोखरवा
45. बन्ना बुलाये प्यारी बन्नी
46. गाई क गोबर महादेव
47. पूरब ही खोजली
48. बन्ना बुलाये बन्नी नहीं आये
49. जोड़ा मेरा रंग दे
50. जरा ठुमुकि ठुमुकि पौउवा डालो रे दुलहा
51. पंडित हाली हाली करहु बियाह
52. धरिया गिरइहा ए भइया रस्म निभईहा ए भैया
53. मांग मांग बाबू मांग तू
54. ना मनवा लागे

ज. ऋतु गीत

- फाग

55. चली आव हो मीत चली आव हो मीत
56. अंखिया भइली लाल
57. का देके सिव के मनाई हो
58. घुघुर लागे झुलनी हो हमार
59. रतिया क सपनवा दिनवा
60. सखी आज चलो ब्रज ओरी
61. शिव शंकर ब्याहन आये सखी
62. कान्हा ले गईल हो मथनिया- चौताल
63. पिया बीतल जाला फगुनवा हो फगुनवा –पहपट
64. सिरहाने से कागा उडी भागा
65. लाल गुलाल भरी पिचकारी

- चैता
  - 66. चुअत अहर्वे अजोर हो रामा
  - 67. बाबा घर उठीहें दरदिया हो रामा अब के चइतवा
  - 68. सेजिया से सईयाँ रूठ गइले
  - 69. भरत चले चित्र कूट हो रामा
- कजरी
  - 70. हमके साबुन मगा द हमाम पिया
  - 71. सखिया सावन बहुत सुहावन
  - 72. रून झुन खोला ना हो केवड़िया
  - 73. चाहे भईया रइहें चाहे ना हो
  - 74. कईसे खेले जइबू सावन में कजरिया
  - 75. पूरी दुनिया में सबसे न्यारी सान बा
  - 76. मिर्जापुर कइल गुलजार हो
  - 77. सेजिया पे लोटे काला नाग हो
  - 78. पिया मेहंदी लिये दा मोती झील से
  - 79. सावन हे सखी सगरो सुहावन
  - 80. पारवती महादेव का बयान सुनो
  - 81. अरे रामा मत जा
  - 82. अरे रामा रिमझिम पडला रस्बुनिया
  - 83. अरे राजा पलने में झूले ललनवा
  - 84. कोयल बोल रही अमवाँ की डारी सखी
  - 85. झूले पालन में हसी हसी बनवारी सखी
  - 86. गलियाँ क गलियाँ
  - 87. श्री राम चन्द्र बनवा को जाने लगे
  - 88. अरे रामा दगा कियो बनवारी कहे बृजनारी ए हरी -२
- बारहमासा
  - 89. जेकर प्रीतम है परदेस
  - 90. लगा मसवा असाढ ,भरी गय नदिया अ नार

झ. श्रम गीत

- जतसार
  - 91. सवरिया सुधिया सतावे सुन तोर
- रोपनी गीत
  - 92. काऊ ही देखी सीता मनवा लोभाइला हो
  - 93. बहे के त पुरबा बही गइले पाछे अरमनवा बही गइले ना
- क्रीड़ा गीत / बाल गीत / लोरी
  - 94. नानी तेरी मोरनी को मोर ले गए
  - 95. चंदा मामा दूर के पुए पकाए गुर के
  - 96. नन्हे मुन्ने बच्चे तेरी मुट्ठी में क्या है
  - 97. ए चंदा मामा आरे आव पारे आव नदिया किनारे आव

98. आओ मिलो सीलो सालो

ञ. पेशा गीत

- **धोबिया**

99. इंग्लिश फैशन में बदनवा मोर

- **कहरवा**

100. हमरे टिकुलिया के सान हो
101. मुड्ढी भर जीरवा बोवली नदिया तीरवा
102. हमरे झुलनी के करनवा पिया
103. रथ पर निरखत जात जटाइ
104. आपन जियरा सम्भारी तोह हो बालमा
105. एक त अधियरवा दूजे पिया क कोठरिया

ट. लोक गीत

- **सोरठी**

106. रात बोले चिरई पराते कोइलरिया
107. श्री बृंदा बनवा में पकली बइरिया हो
108. झुलवा झुलेली मईया सातों रे बहिनिया

- **झूमर**

109. अमवाँ महुव्वा के झूमे डरिया
110. चल हो गोरिया
111. पीपरा के पात पर पलईया डोले रे ननदी
112. हमार बिंदिया बिन सूना सिंगार

- **बिरहा**

113. इहे बाटे मिलना की इहे बाटे जुलना

- **गोदना**

114. गुजर गोदना गोदाला

- **बिदेशिया**

115. पूरब पूरब जीन करा तू बिदेसिया रे
116. गवना करा के पिया घरे बैठवलन
117. नीक सईयाँ बिन भवनवा नाहीं लागे सखिया
118. हम दुनिया करेला बदनाम
119. दिनवा गिनत मोरी घिसली उंगरिया
120. राम लखन दुनो बनवा के जालन
121. अपनी महेलिया में बैठे रानी कैकेयी

- **पूर्वी**

122. अंगुली में डस ले बा नगिनिया

- **जेननार**

123. धनी नगर अयोध्या
124. कब अइहो मुरारी

➢ पर्यावरण तथा अन्य गीत
125. हरियर बनवा कटाला
126. तार बिजली से पतले हमारे पिया
127. बंसी हमारी देदो राधा तुम्हारे किस काम की
128. लियावा हनुमान सीता क खबरिया
129. पनिया के जहाज से पलटनिया बनी अइह पिया
130. रेलिया बैरन पिया को लिए जाए रे ,रेलिया बैरन
131. सुदामा जी के बगिया में लागल अनार
132. राम हउवन ज्योति हमरे नैनन के
133. नइहरे क रहली बारी दुलारी
134. लहर लहर लहराय रे मोर झंडा तिरंगा
135. भारत मा की इज्जत

ठ. निर्गुण
136. कवने खोतवा में लुकईलू
137. भवरवा के तोहरा संग जाई
138. अरे सखिया रे पिया बिना
139. धरम कर अइला ए भवरा
140. झुलनी का रंग साचा हमार पिया

ड. लोकधुन पर आधारित हिन्दी फ़िल्मी गीत
141. कहे तोसे सजना ये तोहरी सजनिया
142. पान खाए सइया हमारो सावरी सुरतिया होठ लाल लाल
143. नदी नारे न जाओ श्याम पइयां पड़ू
144. नजर लागी राजा तोरे बंगले पर
145. चलत मुसाफिर मोह लिया रे
146. रंग बरसे भीगे चुनर वाली
147. आया आया अटरिया पे कोई चोर
148. मोहे पनघट पे नन्दलाल छेड़ गयो रे
149. बड़ी देर भइ नंदलाला तेरी राह तके बृज बाला -2

ढ. ललनवा गीत
150. नदिया किनरवा कदम्वा क पेड़वा
151. जनक मंदिरवा में सोने क धनुसिया

ण. प्राचार्य द्वारा रचित गीत
152. जाई के पूरब पिया
153. अमवा की डारी कोइलरिया
154. कुहुकि करेजवा त रो लेब सजना

त. लोक कल्याण
155. सुखी बसे संसार सब

भूमिका

लोकगीत सभी आम जन मानस का संगीत होता है |लोक मानस वह आम जनमानस है जो श्रमजीवी और प्रकृति के निकट होता है |लोक संगीत इसी जन मानस की संरचना होती है जिसके द्वारा आम जन की पौराणिक, ऐतिहासिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक यात्राओं का विकास मिलता है। यह समूह या समाज द्वारा रचित संरक्षित और प्रस्तुत संगीत होता है | शास्त्रीय संगीत और लोक संगीत में जो विशेष अंतर होता है वह है ध्वनि और शब्दों का | शास्त्रीय संगीत में ध्वनियों या उतार चढ़ाव पर बल दिया जाता है | जब की लोक संगीत शब्द विशेष होता है |आम जन मानस के बीच बोली जाने वाली आम बोलियों के शब्द उसमे रहते हैं जिन्हें आसानी से ग्रहण किया जा सकता है | यही कारण है की लोक संगीत शास्त्रीय संगीत से अधिक लोकप्रिय है | शास्त्रीय संगीत और लोक संगीत का अर्थ सामान्य रूप से समझने के लिया कहना होगा कि लोक संगीत जन का संगीत है , शास्त्रीय संगीत गण का | यह भी कहने में कोई अनुचित नहीं होगा कि लोक संगीत आम जन मानस में स्वतः उद्भूत संगीत है जबकि शास्त्रीय संगीत निरंतर अभ्यासगत और नियमबद्ध संगीत है |जो संगीत के जानकारों के ही समझ में आती है जबकि लोक संगीत सामान्य जन जिन्हें संगीत की विशेष जानकारी नहीं भी होती है वह भी सहजता से समझ सकते हैं |लोक संगीत में उल्लास ,उमंग ,सुख दुःख, ईर्ष्या दवेष ,पारस्परिक सम्बन्ध, त्योहार, मेले उपज संस्कारगत और ऋतुगत अवसरों मनोभावों को समाहित किया जाता है | इसमें आम जन के रहन सहन ,खान पान सुख दुख , प्रेम विरह ,समस्याएं सामान्य रूप से कहा जाए तो संपूर्ण जीवन समाहित होता है | ऐसा नहीं है की लोक गीत या लोक संगीत की संरचना करने वाले संगीतज्ञ नहीं रहे लेकिन सामान्यतः यह माना जाता है की लोक संगीत परम्परागत जन समूहों द्वारा रचित और प्रचलित गीत है |लोक संगीत में जन्म से लेकर –सोहर अंतिम अवस्था निर्गुण -तक समाहित होता है | लोक संगीत सामाजिकता का विस्तार करती है |लोक संगीत में गीत नृत्य समाहित रहते हैं | लोक संगीत के माध्यम से लोक नाट्य की भी प्रस्तुति की जाती है |

लोक संगीत के प्रकार –

1-संस्कार गीत –जनेऊ गीत ,मुंडन गीत ,मंगल गीत आदि |

2-ऋतु गीत - सावन में कजरी ,फागुन में फाग , चैत में चैता ,बारहमासा आदि |

3-श्रम गीत - धान रोपते समय रोपनी गीत ,जाता पीसते समय जतसार गीत आदि |

4- पेशागत गीत – धोबिया ,कहरवा ,जोगिया गीत, आल्हा आदि

5- पर्व गीत- नवरात्रि में गाया जाने वाला पचरा ,छठ पर्व पर छठ गीत, होली के समय होली गीत ,फाग ,चौताल ,जोगीरा आदि |

6-धार्मिक गीत –जन्माष्टमी, शिवरात्रि आदि अवसरों पर गाये जाने वाले भक्ति गीत |

7- लीला गीत –महापुरुषों के वर्णन में गाये जाने वाले गीत |

8- क्रीडा गीत –विभिन्न खेल के अवसरों पर गाये जाने वाले गीत जैसे जांघिया आदि |

9-बाल गीत – छोटे बच्चों के लिए गाये जाने वाले गीत जैसे लोरी आदि |

समस्त जन मानस की सामाजिक, आर्थिक, मानसिक परिस्थितियों और मनो भावों का उदगार लोक गीतों में दिखाई देता है जो मन को बरबस ही अपनी तरफ खींच लेता है | भारत के हर प्रदेश के हर बोलियों में लोक संगीत है जो वहाँ की पौराणिक से लेकर आधुनिक तक के आख्यानों ,परम्पराओं का ,वेश भूषा का ,खान पान का तथा सामाजिक परिस्थितियों का पूरा स्वरुप लोक संगीत में दिखाई देता है | भोजपुरी लोक संगीत का क्षेत्र बहुत ही व्यापक है |इसमें पर्व ,ऋतु ,त्योहार .बाल गीत, क्रीडा गीत, संस्कार गीत, के साथ ही देश गीत ,पर्यावरण, अशिक्षा, जागरण गीत का भी भरमार है

जो इस लोक संगीत को व्यापक राष्ट्रीय स्वरुप प्रदान करता है | पूरबी उत्तर प्रदेश और बिहार के अधिकाँश क्षेत्रों में भोजपुरी बोली जाती है और उस क्षेत्र के लोगों के मनोभावों ,उल्लास ,वेदनाओं का पूरा स्वरुप लोक संगीत में दिखाई देता है | भले ही लोक संगीत क्षेत्रीय बोली और क्षेत्रीय अवस्थिति पर आधारित होता है लेकिन भोजपुरी लोक संगीत सहित लगभग सभी लोक संगीतों में राष्ट्रीयता ,सामाजिक सहयोग और आस्था के सुर सुनाई देते हैं |आज जब आधुनिक तकनीक सामाजिकता को विखंडित करते हुए एकलवाद को बढ़ावा दे रहा है उसमे लोक संगीत सामाजिकता की पुनर प्राप्ति का सबसे सुदृढ़ माध्यम है | बहुत से इतिहासकारों ने ,समाजशास्त्रियों ने अपने ऐतिहासिक और सामाजिक विवेचन में लोक संगीत को आधार बनाया है | प्रारंभिक समय में लोक संगीत ही आम जन के मनोरंजन का मुख्य साधन था |आज के दौर में जब मनोरंजन के साधनों का विस्तार हुआ है उस स्थिति में हम लोक संगीत से दूर होते जा रहे हैं | लेकिन ये आवश्यक हो गया है की हम स्वयं को जानें ,अपने परम्पराओं ,अपनी संस्कृति ,प्रकृति और रीति रिवाजों से परिचित हों |और इसके लिये लोक संगीत से बेहतर माध्यम और कुछ नहीं हो सकता | इन्हीं उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए भोजपुरी लोक संगीत की विभिन्न विधाओं का संकलन करने का मार्ग –दर्शन और सुझाव डॉ सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह , निदेशक राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् लखनऊ और बेसिक लखनऊ द्वारा दिया गया जिससे हमारे बच्चों में आधुनिक ज्ञान के विस्तार और प्रसार के साथ साथ अपने सांस्कृतिक ,सामाजिक और स्थानीय महत्वों की भी जानकारी रहे | इन्हीं उद्देश्यों के साथ भोजपुरी और पारंपरिक लोक गीतों का संकलन करने में संस्थान की प्रवक्ता डॉ भावना मिश्रा द्वारा महती भूमिका निभाई गयी |

अमर नाथ राय

उप शिक्षा निदेशक / प्राचार्य

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान

जाफरपुर आज़मगढ़

प्रस्तावना

लोकगीत लोक और गीत दो शब्दों से मिल कर बना है जिसका अर्थ है लोक के गीत | लोक शब्द अंग्रेजी के फोक शब्द से बना है जो नगर तथा गाँव के समस्त साधारण जन को इंगित करता है | लोक मनुष्य समाज का वह वर्ग है जो अभिजात्य, संस्कार, शास्त्रीयता और अहंकार से शून्य है | गीत शब्द से अभिप्राय उस कृति से है जो गेय हो | इसमें गेयता का होना आवश्यक है अर्थात वह रचना जिसे गाया जा सके | इसी कारण इसे स्वतः स्फूर्त संगीत कहा गया है इसमें मानव जन्म से लेकर मृत्यु तक के विभिन्न प्रकार के अनुभव ,संस्कार रीतिरिवाज़ तथा मनोभाव लोक साहित्यिक विधाओं के माध्यम से चिन्हित होते हैं | जैसे लोक गीत ,लोक गाथा , लोक कथा, लोक नाट्य और उक्तियाँ आदि | जैसा की हम जानते हैं की आदि मानव प्राकृतिक जीवन यापन करता था | धीरे धीरे जब उसमें बुद्धि का विकास हुआ तब उसने अपनी भावनाओं को लयात्मक ढंग से अभिव्यक्त करने की कला सीखी , वही आदि गीत लोक गीत कहलाया | जर्मनी के प्रसिद्ध लोक साहित्य मर्मज्ञ विल्य प्रिय रुश्वे ने कहा है कि लोक गीत सामूहिक रीति से निर्मित होते हैं नितांत सहजता के कारण लोक गीतों में स्वच्छन्द्ता और स्वाभाविकता का पुट अधिक होता है | लोक गीत का रचयिता प्रायः अज्ञात होता है इसका अर्थ ये नहीं है की लोक गीत का निर्माता ही नहीं था | इसका कारण है कि लेखकों ने अधिकाँश नाम लिपि बद्ध ही नहीं किये यदि किये भी तो हम उन्हें खोजने में असमर्थ हैं | उस समय आज के आधुनिक युग के जैसे टंकण की सुविधा नहीं थी | इनका निर्माण मौखिकता से हुआ , लोक गीतों में लेखनी से अधिक जिह्वा का प्रयोग किया जाता रहा | ज्यों ही गीत एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक हस्तांतरित होता है उसका गीत कार नितांत अज्ञात हो जाता है | इस प्रकार लोक गीत शब्द का अर्थ है-

1 लोक में विभिन्न उत्सवों में गाये जाने वाले गीत

2 लोक मानस द्वारा रचित गीत

3 लोक के विषय में गाये जाने वाले गीत

जैसा की हम जानते हैं की लोक गीतों में जन्म से लेकर मृत्यु तक की अवस्था का चित्रण होता है, जैसे बच्चे के जन्म के समय हम सोहर गाकर अपनों प्रसन्नता को व्यक्त करते हैं जिसमें एक माँ के वात्सल्य और परिवार की प्रसन्नता का जीवंत वर्णन होता है जैसे – ठुमुकि ठुमुकि ढोलिया बाजेला बजत सोहावन हो....., सुतल मैं रहनी ओसरवा सपन एक देखली ना हो.....,.मोरे सासू सपने क करहूँ बिचार सपन बड़ा सुन्दर हो। इसी तरह हमारे जीवन में आने वाले विभिन्न त्योहारों व पर्वों का सजीव चित्रण होता है | चाहे वह कजरी में प्रेमी प्रेमिका का मिलन हो ,वियोग हो , संबंधों का नोक झोंक हो , सामाजिक या पर्यावरणीय विषय हो जैसे सावन हे सखी सगरो सुहावन रिम झिम बरसेला मेघ हो सबके बालम प्यारे घर घरे अइलन मोर बलम परदेस हो, इसी तरह इस कजरी में हम सावन मास का सटीक विवरण पाते हैं जैसे कोयल बोल रही अमवा की डारी सखी बोल प्यारी प्यारी सखी ना..., फागुन में फाग के संगीत से संपूर्ण वातावरण ही रंगीन हो जाता है ..., कवने ही नगरिया बोले मोर लहुरा देवरू...., आज बिरज में होली रे रसिया -2 , चैत में गाये जाने वाले गीत –चुअत अहरवे अजोर हो राम चइत महिनवा ...,इसी तरह बारहमासा विधा में हम बारहों माह का वर्णन पाते हैं विभिन्न धार्मिक अवसरों पर गाये जाने वाले गीत जैसे नवरात्रि ,छठ पर्व ,कृष्ण जन्माष्टमी पर गाये जाने वाले गीत जैसे पचरा ,छठ गीत ,कजरी आदि हमारे अन्दर अलग ही धार्मिक भाव की अलख जागृत करते हैं | जैसे निमिया की डरिया मईया नावेलिन झलुव्वा हो की झूली झूली ना। इन गीतों के माध्यम से हमारे अन्दर पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा होती है |

हम सभी अनुभव करते हैं की जब भी मानव ह्रदय अधिक सुखी या दुखी होता है तब वह अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति गीतों के माध्यम से करता है | बिदेसिया गीतों में हम इन मनोभावों को पाते हैं जब एक पत्नी या प्रेयसी अपने पति य प्रेमी को पूरब में जाने से रोकती है | तत्कालीन समय में लोग रोजगार के लिए अधिकांश पूरब की ओर जाते थे जैसे कलकत्ता आदि बिदेसिया विधा में इसका वर्णन कुछ इस प्रकार है पूरब पूरब जीन करा तू बिदेसिया रे पूरब क पनिया खराब रे बिदेसिया। इसी तरह रामायण महाभारत आदि के प्रसंगों को लोक गीतों के माध्यम से चित्रित किया गया है | लोकगीत हमारे संस्कार ,पर्वों ,पेशा ,विभिन्न मनोभावों को प्रदर्शित करते हैं |इनके द्वारा विवाह के अवसर पर विभिन्न संस्कारों का वर्णन होता है जैसे कन्या दान ,द्वार पूजा ,वधु गृह प्रवेश ,तिलक ,विदाई आदि | इनके द्वारा हम अपनी परंपरा और संस्कृति को जीवित रखते हैं |

यहाँ तक की विभिन्न कार्यों को करते समय भी इन गीतों को गाने का प्रचलन है जैसे रोपनी गीत ,जतसार आदि |मृत्यु की अवस्था के समय अर्थात आत्मा के परमात्मा के साथ मिलन को भी निर्गुण गीतों के माध्यम से चित्रित किया जाता रहा है | जैसे -झुलनी का रंग सांचा हमार पिया..., भवरवा के तोहरा संग जाई | इस प्रकार हम देखते हैं कि लोक गीत लोक के रग रग में बसा है जो हमारी सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है | आज के इस आधुनिक युग में वर्तमान पीढ़ी ज्ञान तथा रूचि के अभाव में इससे वंचित हो रही है |तथा अपनी विरासत से दूर हो रही है |यदि समय रहते इसपर ध्यान नही दिया गया तो हमारी आने वाली पीढियां अपनी इस अमूल्य विरासत को खो बैठेंगी तथा अपनी महान धरोहर से वंचित हो जायेंगी | इसकी महत्ता को ध्यान में रखते हुए तथा शिक्षा के उद्देश्य को पूरा करने के लिए जो की छात्र के सर्वांगीण विकास को इंगित करता है जिसमे छात्रों द्वारा अपनी लोक संस्कृति को जानना तथा इसमें रूचि लेकर इसे बढ़ावा देना है जिसे की हमारी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी विशेष रूप से इंगित करती है | इस अमूल्य विरासत को पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित करने के उद्देश्य से डॉ सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह (निदेशक बेसिक शिक्षा एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ) के संरक्षण एवं मार्गदर्शन तथा श्री अमर नाथ राय (उप शिक्षा निदेशक / प्राचार्य , जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जाफरपुर आजमगढ़), के निर्देशन में डायट जाफरपुर आजमगढ़ द्वारा पारंपरिक लोक गीतों का संकलन किया गया | जिसमें विभिन्न विधाओं के गीतों को सम्मिलित किया गया है तथा क्रमशः अगले भागों में और भी गीतों को संकलित किया जाना है |

डॉ भावना मिश्रा (प्रवक्ता)

संकलनकर्ता

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान

जाफरपुर आजमगढ़

भक्ति गीत

1.पचरा गीत

जय बोलो जगदम्बा भवानी-2

काऊ देख मईया मगन भई है काऊ देख मुसुकानी भवानी -2

नारियल देखि मईया मगन भई है चुनरी देख मुसुकानी भवानी जय ....

काऊ देख मईया मगन भई है काऊ देख मुसुकानी भवानी -2

चमेली देखि मईया मगन भई है अड़हुल देख मुसुकानी भवानी जय ....

काऊ देख मईया मगन भई है काऊ देख मुसु कानी भवानी -2

पूड़ी देखि मईया मगन भई है हलुवा देख मुसुकानी भवानी जय ....

जय बोलो जगदम्बा भवानी -2

2. पचरा गीत

तोहरे चरनिया के पूजा करीला हमार मईया नाम तोहरा जपिला हमार मईया -2

पर्वत के ऊपर बाटे तोहरी मंदीरिया -2

कईसे के आईं मोर जियरा डरेला हमार मईया

नाम तोहरा जपिला हमार मईया -2

झांकी से पाईं मईया तोहरी दरसनिया -2

तोहरे दरस बदे पागल भईला हमार मईया

नाम तोहरा जपिला हमार मईया -2

बड़े बड़े दुष्टन असुरवन के तरलू -2

हमके उबारा हम तोहके जपिला हमार मईया

नाम तोहरा जपिला हमार मईया -2

तोहरे चरनिया के पूजा करीला हमार मईया नाम तोहरा जपिला हमार मईया -2

3. पचरा गीत

कवन फुलवा हरियर कवन कचनार हो कवन हो फुलवा ना

चढ़े माई दरब रवा हो कवन हो फुलवा ना

बइली फुलवा हरियर चमेली कचनार हो अड़हुल फुलवा ना

चढ़े माई दरबरवा हो अड़हुल फुलवा ना

कवन माई धार ले कवन माई कपूर हो

कवन हो माई ना लेली नारियल चुनरिया हो कवन हो माई ना

काली माई धार ले शीतला माई कपूर हो

दुर्गा हो माई ना लेली नारियल चुनरिया दुर्गा हो मइया ना

कवन मईया हसनी कवन मईया खेलनी कवन हो मईया ना

होले जग में जय जय कार हो कवन हो मईया ना

कालिय मईया हसनी सितली मईया खेलनी दुर्गा हो मईया ना

होले जग में जय जय कार हो दुर्गा हो मईया ना -2

4. पचरा गीत

अमवाँ लगवल हो मोरे पिया महुआ लगउल हो काहे ना लगावल हो निमिया के गछिया

माई के निमिया बा   घरवे दुवरवा हो नाहीं भावेला पकड़ी पिपरवा हो

हो काहे ना लगवल हो निमिया के गछिया

अरे चंपा लगवला हो पिया चमेली लगवल हो जूही गेंदा फुलवा हो

काहे ना लगवल पिया हो फूल अडहुलवा

काहे ना लगवल हो निमिया के गछिया

अरे चंपा लगवला हो पिया चमेली लगवल

काहे ना लगवल हो निमिया के गछिया

जब आवेली माई नइहरवा हो तब अडहुल के पहिनेलिन हरवा हो

अरे चंपा लगावला हो पिया चमेली लगवल

काहे ना लगवला पिया हो छतवा लवंगवा

काहे ना लगवल हो निमिया के गछिया

5. पचरा

निमिया की डरिया मइया नावलिन झलुववा हो की झूली झूली ना

मैया मोरी गावलिन गितिया हो की झूली झूली ना

झुलत झुलत मइया के लागल बा पियसिया हो की बूँद एक ना

हमके पनिया पियउतु हो मालिन बूँद एक ना

कैसे की पनिया पियाइ हमरी मइया हो की हमरे गोदिया ना

एक बालक नदनवा हो की हमरे गोदिया ना

एक हाथे लेहलीं मालिन सोने का घडीलवा हो की दुसरे हाथे ना

मालिन पनिया पियाव्लि हो मइया दुसरे हाथे ना

जैसे की मालिन तू हमें जुडवउलू हो की वइसे वइसे ना

तोहार मालिया जुडइहें हो मालिन वैसे वैसे ना

जव्न असिसिया हो मइया मालिन के देह्लू हो की उहे असिसिया ना

अपने भक्तन के दिहा हो मइया उहे असिसिया ना

6. पचरा (देवी गीत)

माई मोरी शीतला भवानी ,माँ दुर्गा महारानी जी हो,ललना खेले चलें मइया कजरिया त संग में छोहरिया न हो2

सोहेला गहबर पियरिया माँ शीतला सरिरिया ना हो ललना दुर्गा के लट बीच भवरा लगावेला फे रिया ना हो -2 माई मोरी शीतला भवानी ,माँ दुर्गा महारानी जी हो,ललना खेले चलें मैया कजरिया त संग में छोहरिया न हो2

मोतिया गुथाई माई शीतला जी मगिया सवारेली हो ललना दुर्गा जी पहिनी चुनरिया त ठाड़ी दुवरिया ना हो-2

माई मोरी शीतला भवानी ,माँ दुर्गा महारानी जी हो,ललना खेले चलें मइया कजरिया त संग में छोहरिया न हो -

पहिनली नाक बेसरिया सऊख से मा शीतला जी हो ललना नथुनी पहिन माई दुर्गा जी कइली तैयारिया न हो -2

माई मोरी शीतला भवानी ,माँ दुर्गा महारानी जी हो,ललना खेले चलें मइया कजरिया त संग में छोहरिया नहो

रिमझिम बरसे बदरिया त संनके बयरिया न हो ललना कद्केला तडके बिजुरिया सवनिया अटरिया न हो -2

माई मो री शीतला भवानी ,माँ दुर्गा महारानी जी हो,ललना खेले चलें मइया कजरिया त संग में छोहरिया न हो

झुलवा के बीच माई शीतला जी मेहंदी लगावेलिन ठाड़ी दुवरिया न हो

चन्दन के सुघड़ पटरवा रेशमवा के डोरिया न हो ललना निबिया के डरिया झलुववात डाले छोहरिया न हो

माई मो री शीतला भवानी ,माँ दुर्गा महारानी जी हो,ललना खेले चलें मइया कजरिया त संग में छोहरिया न हो

झूले माई शीतला जी झूले माई दुर्गा झुलावे सब छोहरिया न हो

माई मो री शीतला भवानी ,माँ दुर्गा महारानी जी हो,ललना खेले चलें मइया कजरिया त संग में छोहरिया न हो

7. पचरा (पारंपरिक देवी गीत)

ला मइया बीड़ा मैं कब की ठाड़ी ,ला दाता बीड़ा मैं कब की ठाड़ी -2

ला मैया बीड़ा हरा हमरी पीड़ा ,मैं कब की ठाड़ी

ला दाता बीड़ा हरा हमरी पीड़ा, मैं कब की ठाड़ी , ला ....

के हो चढावेला नारियल चुनरी ,के हो चढ़ावे लाल हीरा मैं ....

राजा चढावेलें नारियल चुनरी ,रानी चढावे लाल हीरा मैं कब की ठाड़ी

ला मइया बीड़ा मैं कब की ठाड़ी ,ला दाता बीड़ा मैं कब की ठाड़ी -2

के हो लुटावेला अन्न धन सोनवा, के हो बजावे मजीरा मैं कब की ठाड़ी

पंडित लुटावलें अन्न धन सोनवा ,पुजारी बजावे मजीरा मैं ....

ला मइया बीड़ा मैं कब की ठाड़ी ,ला दाता बीड़ा मैं कब की ठाड़ी -2

8. पचरा गीत

कहवाँ से आवलीन कालिय मइया ,कहवाँ से सीतला मइया हो

अरे रामा कहवाँ से आवेलीन, दुर्गा मइया सेर पे सवारी कइले ना -2

पुरब से आवलीन कालिय मइया, पछुवे से सीतला मइया हो

अरे रामा सगरो से आवलीन दुर्गा मइया, सेर पे सवारी कइले ना -2

अरे रामा काउ है भोजनिया ,बोला कालिय मइया ,का हो हवे सीतला मइया हो

अरे रामाँ का हो ह भोजनिया बोला दुर्गा मइया, सेर पे सवारी कइले ना -2

धरिया कपूरिया लेहलीं कालिय मइ या, दहिया भावे सीतला मइया हो

अरे रामा पुडिया हलूववा चढ़े दुर्गा मइया , सेर पे सवारी कइले ना -2

अरे रामा का हो दीहें कालिय मैया ,का हो दीहें सीतला मइया हो

अरे रामा का हो असीसियें भक्तन के हो दुर्गा मइया, सेर पे सवारी कइले ना -2

धन दौलत कालिय मइया ,देह सुघड़ सीतला मइया हो

अरे रामा नतिया अ पोतवा दीहें दुर्गा मइया सेर पे सवारी कइले ना -2

9. पचरा गीत

डलिया क डलिया घुमेलिन मलिनिया हो की के हो लीहे ना

हमरे डलीया   क फुलवा हो की के हो लीहे ना

अपने ओसरवा से बोले दुर्गा मइया हो की हमही लेइब ना

तोहरे डलिया के फुलवा हो मालिन हम्म ही लेइब ना

डलीया क डलिया घुमेलिन मलिनिया हो की के हो दीहे ना

हमरे डलिया के दमवा हो मइया के हो दीहें ना

अपने ओसरवा से बोले दुर्गा मइया हो की उ हो दीहें ना

कउने अनधे के आख देब हो उह देइह ना

तोहरे डलिया के दम वा हो मालिन उ हो दीहें ना

कउने लंगड़ा के पैर हो देबे उ हो देइह न

तोहरे डलिया के दम वा हो मालिन उ हो दी

तोहरे डलिया के दम वा हो मालिन उ हो दीहें ना

कउने बाँझिन के संतति देबे उ हो देएह ना

तोहरे डलिया के दम वा हो मालिन उ हो दीहें ना

10. छठ गीत

देखि के डगरिया लागेला सुहावन

लचकत बहनगिया लागे मन भावन

कान्चही बांस के बहगिया ,बहंगी लचकत जाय

बाट जे पुछेला बटोहिया ,इ सब केकरा के जाए

जुगजुग जिया तू बटोहिया इ सब छठ माई के जाए

एही जेबे बाटी छठी मैया इ सब छठ माई के जाए

इ दल सुरुज देव के जाए -2

कांचही बांस के दउरवा, दउरा घाटे पहूँचाये

बनि ना बालम जी , दउरा घाटे पहूँचाये

बाट जे पुछेला बटोहिया ,इ सब केकरा के जाए

जुगजुग जिया तू बटोहिया इ सब छठ माईके जाए

बाट जे पुछेला बटोहिया ,इ सब केकरा के जाए

जुगजुग जिया तू बटोहिया इ सब छठ माईके जाए

फलवा से भरल दउरिया इ त छठ माई के जाए

इ सब सुरुज देव् के जाए -2

11. छठ गीत

केरवा जे फरेला खबद से , ओह्पे सुगा मंडराए

खबरी जनइबो आदित्य से ,सुगा दीहन जुठीयाय -2

मरबो रे सुगना धनुख से,सुग्गा गिरे मुरझाय

सुगनी जे रोवेलि वियोग से ,आदित्य हो ना सहाय

नारियल जे फरेला खबद से ओह्पे सुगा मडराये

शरिफवा जे फरेला खबद से ओह्पे सुगा मडराये

खबरी जनइबो आदित्य से ,सुगा दीहन जुठीयाय

मरबो रे सुगना धनुख से , सुग्गा गिरे मुरझाये

सुगनी जे रोवेलिन वियोग से ,आदित्य हो ना सहाय

सभे फलवा जे फरेला खबद से, ओह्पे सुगा मडराये

खबरी जनइबो आदित्य से ,सुगा दीहन जुठीयाय

मरबो रे सुगना धनुख से,सुग्गा गिरे मुरझाय

सुगनी जे रोवेलि वियोग से ,आदित्य हो ना सहाय

12. भजन

कहे सारा दसतनवा राधा गुजरी -2

कहे राधिका सुना कन्हईया मत सेखी बतियावा

कईसे तू गोकुल में अईला हमके इ बतलावा

मरलिन बज्जर अइसन तनवा राधा गुजरी

बासुदेव सुपे में सुता के प्रात समय ले अइलन

रहल महिना भादों क तोह गोकुल में धर गईलन

नन्द बाबा के अंगनवा राधा गुजरी

सदा चर उल गईया बन में सुन ला ए बन वारि

खेल खेल में अन्खीय मोर मुन्वउला हे बनवारी

ग्वाल बालन के समनवा राधा गुजरी

इतना कह के नन्द लाल को राधा ने फटकारा

कहे कन्हईया सुनो राधिका तुम जीती मैं हारा

पडलिन मोहन के चरनवा राधा गुजरी

कहे सारा दसतनवा राधा गुजरी -2

13.भजन

हमसे बता दो कान्हा ऐसे हुआ काला क्यों

काली रात में जन्म लिया हूँ

काली गाय का दूध पिया हूँ

बंसी भी काली इसी लिये काला हूँ

हमसे बता दो कान्हा ऐसे हुआ काला क्यों -2

भादों रात बदरिया छाई बद्री आके जल बरसाई

बादल भी काला इसीलिए काला हूँ

काली दह में कूद पड़ा हूँ ,कालीय नाग को नाथ लिया हू

जमुना का जल काला इसी लिए काला हूँ

सखीया आई कजरा लगाई कजरा लगा कर दिल में बसाई

सखियों का दिल काला

इसी लिए काला हूँ

हमसे बता दो कान्हा ऐसे हुआ काला क्यों -2

14. भजन

ना छापर ना छानी सब दीहें औघड़ दानी ना कुरता ने धोती जटवा बहे गंगा पानी

पियलेंन भांग अउर बेल पतीया

डम डम डमरू बजवेले हमार जोगिया -2

बाबा अपने ही हाथे खुद भस्मासुर बनावे

फिर ओकरा के डर से तब भाग के जान बचावे

दुसरे के माया में मराले मतिया

डम डम डमरू बजवेले हमार जोगिया -2

केहू लिहला खजाना केहू लेहल सोना सिंधोरा

 रहल गजब इ बाबा हाथ लागल जहर क कटोरा

भांग पे भुलाईल रहता दिनों रतिया

डम डम डमरू बजवेले हमार जोगिया

15. सोहर गीत

गोकुला में बाजेला बधइया त जन्मे हैं कन्हैया मगन पुरवासिन हो

ललना पलना में ललना झुलावें सखी सब गावे सोहर हो -2

अन्न धन सोनवा लुटावें मगन नन्द बाबा न हो

ललना जसोदा लुटावें हीरा मोतिया बोलाइ के परोसिन हो -2

देव सब झूमी झूमी गोकुला में मंगल गावलें हो

ललना नन्द नचावें ग्वाल बाल की दुवरे बोलावलें हो -2

अइसन पुरोहित बभनवा सगुनवा बिचारेले हो

ललना ललना बड़ा है भाग्वाला त इहे सम्झावलें हो -2

सुपवा में ललना सुतावें सगुन से नह्वावलें हो

ललना सब जनि लेके बलइया त हरि पद पावलें हो -2

16. सोहर गीत

ठुमुक ठुमुकि ढोलिया बाजेला बजत सोहावन हो ,मोरी ढोलिया बाजे राजा दसरथ दुवरवा हो कौसल्या रानी आंगन हो

पुजवा करत राजा दशरथ हो देवता लोग पूछें ना हो ,मोरे राजा कौन हो उछाह आज तोहरे हो महलिया ढोलिया बाजेला हो

बिहसी के बोले राजा दशरथ सुना हो देवता लोग हो ,मोरे देवता राम हो ल्लिहन अवतार हो महलिया ढोलिया बाजेला हो

हंसी हंसी बोले देवता लोग सुना राजा दसरथ हो मोरे राजा राम हो लिहन अवतार हो हमहू कुछू चाहिला हो

देबो ओठ गने के ओठगन हो बइठने के बइठक हो मोरे देवता, देबो हो अजो धिया का राज हो जहां रे पूज मुलुक हो

देवता जे दीहन असीस हो दसो रे नह जोरी के दुनो रे कर जोरी के हो, मोरे सुरजू बाढ राजा दसरथ का बंस हो जहां रे मोरे आदर हो |

17. सोहर गीत

सुतल मैं रहनो ओसरवा सपन एक देखलीं ना हो

मोरे सासू सपने के करहु बिचार सपन बड़ा सुन्दर हो -2

जमुना तव देखलीं छछाइल त गंगा फफाइल हो

सासू दोई गो जोगिया जटाधारी अंगने बीच तप करे हो -2

जमुना त बाटीन तव मयारिया , त गंगा बहिनिया न हो

बहुवर राम लखन तोहरे होइहे अंगने बीच खेलिहे ना हो -2

अमवाँ त देखलीं बउर लागल , इमली झपस लागल हो

सासू दोई गो जोगिया जटाधारी अंगने बीच तप करे हो -2

अमवाँ त बाटे बेटउवा ,त इमली बिटीयवा न हो

बहुवर राम लखन तोहरे होइहें अंगनेबीच खेलिहें न हो -2

धनवा त देख्लों टूडायल, त पनवाँ दहायल हो

सासू दो गो जोगिया जटाधारी आँगन बीच तप करे हो

धनवा त बाटे तोर सम्पति, त पान तोहरा भोजन हो

बहुवर राम लखन तोरे होइहें, आँगन बीच खेलिहें न हो -2

18. सोहर गीत

मडवे में हमरो बियाह भइले कोठरी गवन अइले हो

प्रभु घूँघटा उठाई जब देखि त धना बड़ी सुन्दर हो

धना जीन करा घरे चौका बसना त, जिनी घर ग्रिह्थनवा न हो

धना जीन करा राम रसोइया, चुनरिया तोरी बचिहें ना हो

प्रभु के हो करी घर चौका बसना, त के हो घर ग्रिह्थनवा न हो

प्रभु के हो करी राम रसोइया, चुनरिया मोर बचिहें न हो

धना माई करी घर चौका बसना , त भाभी घर ग्रिह्थ्नवा न हो

धना बहिनी करी राम रसोइया ,चुनरिया तोरी बचिहें न हो

माई त तोहरी बुढाइ जइहें ,भउजी अलग होइहें हो

प्रभु बहिन तोहरी जइहन ससुरे चुनरिया कैसे बची न हो

धना हम करब घर चौका बसना त , घर गृहथनवा न हो

धना हम करब राम रसोइया चुनरिया तोर बचिएं न हो -2

19. सोहर गीत

कहवाँ ही जनमले राम त कहवा स्याम न हो ललना कहवा ही जन्मे गनेस त तीनो घर सोहर हो

अयोध्या में जनमले राम त गोकुला में श्याम जन्मे हो ललना पर्वत पे जन्मे गणेश त तीनो घर सोहर हो

केकरा के जन्मले राम त केकरा के श्याम ना हो ललना केकरा के जन्मे गणेश त तीनो घर सोहर हो

कौसल्या से जनमले राम जसोदा जीके श्याम ना हो ललना गौरा के जन्मे गनेस त तीनो घर सोहर हो

केकरा से बनला रामायण त केकरा से गीता न हो ललना केकरा से बिघन हरण होय तीनो घर सोहर हो

राम से बनेला रामायण त कृष्ण से गीता ना हो ललना गनेश से होला बिघ्न हरण त तीनो घर सोहर हो

का हो खाने राम त का हो खाने श्याम ना हो ललना का हो खाने गणेश त तीनो घर सोहर हो

दूध भात खाने राजा राम त माखन श्याम न हो ललना लडुआ जे खाए गणेश त तीनो घर सोहर हो

20. सोहर गीत

स्तुति करें मईया देवकी मने ह मन सोचेलिन हो

ललना प्रभु जी लिहलें अवतार बालक रूप ले इ लीहा हो

सुना मोरे बाबा सुना मईया देवकी न हो

बाबा जो तोहके कंस क डर बा त नन्द घर पहुचावा ना हो

हथवा के खुली गइले बंधन त गोडवा क जंजीर न हो

ललना खुल गइले बत्तीसो दुवरिया पहरवा सब सोई गइले हो

बासुदेव कृष्ण के   उठावलें गोकुल पहुचावलें हो

ललना जमुना जी छुवलिन चरनिया कन्हईया मुसुकावेलें हो

21. सोहर गीत

पियवा जे मोरा शिव नवकर शिव जी क पूजा करीब हो

ललना हमहीं जे खोरिहा बटोरबै मन्नत एक मगबै ,संतति हमके चाहींन हो

बारह बरिस सिव जी सुतलें, तेरह बरिस जगलें हो ,

सेवइक कवन दुःख तोह्के अइसन त खोरिहा बटोरला हो

सोनवा त हमरे बहुत बाटे , चंदिया अधिक बाते हो सिव जी एक संतति बिनु सूना ना हो

पियवा त तोरा अधरमी धरम नाहीं जानेला हो , सेवइक हरियर पेडवा कटव्ल

संतति कैसे पइबू न हो पियवा त हमरे धरम करिहें,

कर्मे अधर्म तजिहें हो सिव जी हरियर पेड़ रोपिहें संतति हमके चाहीं न हो

सासू क आदर नाहीं कइलू, ननद रेरियौलू ए सेवइक भइने क आरत ना उतरलू संतति कैसे पइबू न हो

सासू क आदर हम करबे ननद क दुलर्बे न हो शिव जी भइने क आरती हम उतरबे संतति हम के चाहीं न हो

कोह्डा क पेड वा गगरी ऐसन फरेला खबद जइ सन हो सेवइक

पिपरा क पेडवा जहाज ऐसन फरेला मरीच अइसन , अपने करम जइसन हो

22. मुंडन गीत

सोने क खरउआ कवने लाल उटूर सुटूर चले

अरे आवहु ना बहिनी कवन देइ झलरिया मोर बटो रहू

नाहीं मोरे लाल से पीयर औरहू रातुल भइया

काऊ पहिर हम आई ,झलरिया हम बटोरी

हम देबय लाल से पीयर औरहु रातुल

बहिनी उहे पहिर तू ही झलरिया बटोरहू

23. मुंडन गीत

सभवा ही बइठल बाबा त नाती अरज करे

बाबा बढ़ी गिले मुडवा क केस त नउवा से मुडाई देहु

इतनी बचन बाबा सुनलें त नउवा के बोलाई देलें

बढ़ी गइले नाती के झलरिया त आई के मुडाई देहु

ना बाबा बजना बजाया न सजना सजाया बाबा

बड़े हो कल्पे के लपरिया चउके बनवाया

हम बजना बजवाइब कत्थक नचाइब नाती

बड़े हो कल्या के लपरिया कासी मुडवाइब

बहरे से आवेले भइया त बहिनी से अरज करे

बहिनी आज हो भतीजा के मुडनिया त लोइया बटोरो हसत .

24. जनेऊ गीत

बाग़ में कोयलिया बोले दुअरा पे मोर हे ,अंगने में बरुआ बोले हमरो जनेऊ है

मरबा के बीचे बीचे लक्ष्य बरुआ थार है , हमरो के दियउ बाबा पियरी जनेऊ है

बाग़ में कोयलिया बोले दुअरा पे मोर हे ,अंगने में बरुआ बोले हमरो जनेऊ है

मरबा के बीचे बीचे लक्ष्य बरुआ थार है ,हमरो के दियउ चाचा पियरी जनेऊ है

मरबा के बीचे बीचे लक्ष्य बरुआ थार है हमरो के दियउ चाची आसीस हजार है

बाग़ में कोयलिया बोले दुअरा पे मोर हे ,अंगने में बरुआ बोले हमरो जनेऊ है

मरबा के बीचे बीचे बीचे लक्ष्य बरुआ थार है ,हमरो के दियउ पापा पियरी जनेऊ है

मरबा के बीचे बीचे लक्षया बरुआ थार है हमरो के दियउ मम्मी असीस हजार है

बाग़ में कोयलिया बोले दुअरा पे मोर हे ,अंगने में बरुआ बोले हमरो जनेऊ है

25. तिलक गीत

केकर ऊँची महलिया त जग मग करीला -2

कवन दूल्हा क सुन्दर लिलार तिलक भाल सोहले

पापा जी के ऊँची महलिया त जग मग करेला

सुन्दर दुलहा के सुन्दर लिलार तिलक भाल सोहले

जनकपुर से अइले तिलकिया तिलक चढ़वान

रामा के अंगने तिलक चढल्रे देखत सुहावन

अंगना में बैठलन जनक समधी अंगना निरखने

समधी के आँगन बड़ी छोट त नीक नाहीं लागले

जजिमा पे बइठले दसरथ समधी तिलक निरखेलन

बाबू के तिलाकिया चढ़ी थोड त नीक नाही लागले

जजिमा पे बइठले ससुर समधी तिलक निरखेलन

बाबू के तिलाकिया चढ़ी थोड त नीक नाही लागले

26. विवाह गीत

घुमरी घुमरी बाबा बगिया लगावे ,अमवा लगावे अकेल हो

जेकर बगिया वहू घर ज;इहें ,रही जइहें अमवा अकेल हो

झारीं पोछी बाबा बेटी बोलावे ,लह्लें बेटी बइठाय हो

कवन कवन गुण सीखी मोरी बेटी ,रखबु जे मनवा हमार हो

सेजिया से उठबे सेजिया बटोरबे ,खाबे बेलहरी के पान हो

अंगना बहार बाबा चउका लगईबे ,बर्तन मजबे बिचार हो

छोटकी ननदिया बाबा बहिन अस जनबे .छोटका देवरवा सग भाय हो

27. विवाह गीत

बेरिया की बेरी तोहे बर्जिला बाबा झांझरी मडुवा जनि छाव

झांझरी मडईया सुरुज लागी जोतिया   गोर बदन कुम्हिलाये

कहितु त मोरी बेटी छत्र छावैती कहितु   त सुरुज अलोप

आज की रात बाबा तोहरे मंदाप्वा बिहने पराये घर जाब

खोखन खिखन बेटी दुधवा पियाव्नो दहिया खियाव्नो सारी लाल

एको ही नेक नाहीं मनलु हे बेटी धईलू सुन्दर बार साथ

जानत त रहल बाबा पर घर जईहें काहे के कईल मोर दुलार

28. हल्दी गीत

कहवाँ के पियर माटी , कहाँ के ह कुदाली जइ

कहवाँ के सात सोहागिन माटी कोड जाएँ जी

माटी के कोड़ावनी बाबा देब कौन दान हे

माटी के कोड़ावनी अम्मा देब कौन दान हे

तोहरा का देबो बेटी डाल भरी सोनवा हे

पवना के देबो बेटी चढ़ने को घोड्वा हे

29. विवाह गीत

हरे हरे बसिया कटइह हमरे बाबा हो , ऊँचे ऊँचे मडवा छवइह हो

एक ओर बइठे हमरे ससुरे क लोगवा हो ,एक ओरे नैहर हमार हो

ऊँचे ऊँचे मडवा तर बइठहे हमरे दादा, सजन लोग छेक्ले दुवार हो

ऊँचे उंच मडुवा तर बइठहे हमरे पापा , सजन लोग छेक्ले दुवार हो

ऊँचे उंच मडुवा तर बैठिय हो मामा सजन लोग छेक्ले दुवार हो

हरे हरे बसिया कटइह हमरे बाबा हो , ऊँचे ऊँचे मडवा छवइह हो

30. वधु गृह प्रवेश

भरी भरी अंजुरी में मोतिया लुटाइब हो

दूल्हा दुलहिनिया के आरती उतारिब हो

सोने के सिन्दोरवा लेहले अम्मा बाटी ठाड़ हो

खोला बाबु पालकी केवड़िया मगिया बहोरब हो

कैसे की खोली अम्मा पालकी केवड़िया हो

सासू जी के धियवा त असली जोगनिया हो

कोरिन दियवा में दहिया जमाँयो बहुवा   के सिर पर धरायो रे , बहु आयो

बहु सुलक्षण आयो रे , बहु आयो

कांचही बांस के दउरा मंगायो दउरा में डेगवा रखायो रे बहु आयो

बहु सुलक्षण आयो रे   , बहु आयो

31. तिलक गीत

कहवाँ के तिलक देउवा कहाँ चढ़ी आवे ले हे

कहवाँ के रघु वंसी उलटियो नाही ताकले हे

बिनती से बोलेले अरे सुन्दर देवा तिलक हम चढाइब हे

मोरा घर धीयवा कुवार तिलक हम चढाइब हे

गरबी के बोलेले रघुबीर देवा तिलक बड़ी थोर हे

मोरा बाबु पढ़ल पडितवा तिलक बड़ा थोर हे

आवासु राम चौक चढ़ी बइठसु तिलक सोहेला लिलार हे

राम करे अंगे जोड़ा भला सोभे तिलक सोभेला लिलार हे

32. विवाह गीत

ललनवा

हरे हरे बसवा कटावे मोरे पापा -२

अरे साजी दिहने डोलिया कहार रे ललनवा

डोलिया क बांस धईके रोवे मोर पापा -२

अब बेटी बहीनी पराई रे ललनवा

छोड़ा छोड़ा समधी हो दोलीय क बसवा

अरे अब बेटी भीनी पराई रे ललनवा

33. विवाह गीत

स्वागत में गारी सुनाईं जा चला सखी मिल के -2 स्वागत .

इनका जे लंगटे नचाई जा चला सखी मिल के

दूल्हा त लागेला गोदी क लईका -2

इनका के चूसनी चुसाई जा चला सखी मिल के

समधी त लागेला जन्मे के आंधर -2

इनका के डिबरी देखाई जा चला सखी मिल के

दूल्हा के मामा हाय मूंगा के जामल

इनका के लहंगा पहिराई जा चला सखी मिल के

34.विवाह गीत

एही पार गंगा ओही पार जमुना बीचवा में मालिन फुलवारी हो

घर में से निक्लेलि बेटी हो कवन देवी ,फुलवा तोडन चली जाय हो

मलवा बनाय बेटी घर के लावटलीन अम्मा जी गयी रिसियाय हो

कहवाँ बितउलू बेटी ठीक दुपहरिया कहवाँ बितव्लू सारी सांझ हो

फुलवा तोडत भइल ठीक दुपहरिया मालवा गुछत भइल सानझ हो

मलवा बनाई अम्मा देवी के चवढली   देवी जी देहीन आसीस हो

तोहरा सोहाग बेटी जुग जुग जीए सेंदुरा अमर होई जाय हो

35. भोर जगाने का गीत

अरे भोर भायल भिनु सहरा धरम करी जूनियां ,अरे आह ना जगवहु कवने लाला , जातु दुहावन

नाहीं मोरे धेनु बकें त नाहीं सब बोसर दूध बाजे आवला ,कमोरवा मत्वा क नाहीं

आहो गंगा गोसाई सुतल केन जगावे

बीटा पहोतिया नतिया ,सुटत वू ओहन जगावे

पित्र नेवतना

बन किया मोर दही क दहेडीया घीव ही केरी गागरी अरे

बढे कवनी दे इ क नइहर कवनी देइ क सासुर

पांच ही पान नव फोफर तुहुही कालिय मैया अवरो दुर्गा मैया अवरो सीतल मैया

तुह्रो जे नेवत आजू तुहरे सरीर्वे बहुव दे इ ओनहूँ क नेवत आजू

36. सांझ का गाना

तीनों देव भक्तिन आजू तीनों देव भक्तिन

तीनो देव देहीं आसीस जग जीह जीह दुल्हे

कवने राम दुल्हिन दी सोहाग बढे

आहो आहो सनझा गोसाईं के हो लक्ष्मी धीन्ह

साझे दियना बारे ,पराते अंगना झारे

कवने राम सुहवा ढलैब उह लक्ष्मी धीन्हा

साझे दियना बारे पराते अंगना झारे

37. द्वार पूजा गीत

बेटी द्वारे खेलें मत जइयो सजन लोग अया जायेंगे ,वो तो आयेंगे घोद्वा स्वर

झुमत डोली ले जायेंगे

बैठूं बैठूं अम्मा जी की गोद हममें कैसे ले जायेंगे ,वो तो आयेंगे घोद्वा स्वर

झुमत डोली से जायेंगे

(चाची आदि को लगाकर)

38. विवाह गीत

बाबा कहले बेटी नियरे बियाहिब , माई कहेनिं दस कोस

भैया कहेले बहिनी काशी बियाहिब हो , नित उठी करी अस्नान

भौजी कहेनिं नंदा बैरन बियाहिब , जहां कहू आवय ना जाय

बाबा कहेन बेटी अन्न धन देइब हो , माई जी लहर पटोह

भइया कहेल चल ने के घडवा हो ,   भउजी जहरवो के गाढ

बाबा के सोनवा हो दिन दिन चलिहें , फटी जइहें लहर पटोह

भइया के घोड़वा हो नागर कुदइहें

भउजी के अपजस होय

39. विवाह गीत

मचिया ही बइठली माता कौसिल्या हो, सुना प्रभु अरज हमार

बेटी जे भइनी हो ब्याहन जोग , बेटी जोग बर खोजी जाय

घर में से निकलेलिन बेटी हो कवन देवी ,सुना माता अरज हमार

नाहीं हम सिखलीं ए माता , घर गृह थनवा हो

नाहीं हम सिखली राम रसोई

सासू ननद मोर भइया गरियइहें हो

फटी जइहें जियरा हमार

सीखी लिहा ए बेटी घर गृह थनवा हो   ,सीखी लिहा राम रसोई

सासू ननदी तोरी भइया गरियइहें हो

सुनी लीहा अंचरा पसार

40. विवाह गीत

ढोलक विदाई गीत

जसोदा जी के भये नन्दलाल ,बधाई मांगे मलिनिया -2 s

मालिन लाई हार ,तम्बोली ,बीड्वा ,

कोई अच्छे गछे बंदनवार,ले आई पटहारिनिया -2

जसोदा जी के भये नन्दलाल ,बधाई मांगे मलिनिया

पहनो पहनो जसोदा रानी हार ,चभो तुम बीडवा ,

दरवाजे बांधो बंदनवार ,कहे पटहारिनिया , -2

जसोदा जी के भये नन्दलाल ,बधाई मांगे मलिनिया

मालिन मांगे चुनरी ,तम्बोली, पियरी ,

कोई अच्छी देखी रंगछीट मांगे पटहारिनिया -2

जसोदा जी के भये नन्दलाल ,बधाई मांगे मलिनिया

मालिन देत असीस , तम्बोलिन घर को चली ,

जुग जीयें जसोदा जी के लाल ,कहे पटहारिनिया -2

जसोदा जी के भये नन्दलाल ,बधाई मांगे मलिनिया -2

41. विवाह गीत (विवाह गीत लड़की पक्ष)

मोरे पिछवा हो घनी बसवरिया हो बही गइली सितली बयार

तेहि तरे मोरे बाबा पलंग बिछवले ,उहवाँ सुतलें अन्नचीत

मिलहु ना सखिया हो मिलही सहेयली ,मिली जुली बाबा के जगाव,

जेकरे ही घरवा हे बाबा ,कन्या कुवारी हो ,

ते कइसे सूते अन्नचीत,

देहु न मेरी बेटी लोटवा से जोरिया हो देहु ना छडीया हमार ,

हरहार खोजली हो बेटी ,बिरहर खोजली हो ,

खोजी अइलिन देसे सरुवार ,

तोहरे सरीखे बेटी बर नाहीं मिलेला ,अब बेटी रहिबो कुवार

बिरहर खोजला हो बाबा बिरहर खोजला हो ,खोजी अइला देस सरुवार ,

एक नाहीं खोजला हो बाबा अयोध्या नगरिया हो ,जहवाँ सिरीराम जी कुवार

ओनहीं के तिलक चढ़ाव मोरे बाबा हो, तब रचा हमरो बियाह

सांवर देखि जिनी भरभराय बाबा हो सांवर सीरी भगवान् ||

42. **विवाह गीत** (विवाह गीत वर पक्ष)

पांच ही पेड़ बाबा बगिया लगावेन ,बगिया में बइठ रखवार -2

घर में से निकरेलिन बेटी हो सीता देइ

रहेलिन बगिया में जाय ,

घोडवा चढ़ल आवें दुल्हे श्रीराम बाबु ,धई बहिया बेलमाँय

छोडू छोडू रजवा हो मोरि दाहिनी बहियाँ हो , बहियाँ अल्प सुकुवार

किया तनु रनियाँ हों सचवा के साचल ,

किया तुहूँ गढ़ेला सोनार

माई रनियवा के कोखिया जनमली हो

सुरती उरेहनी भगवान्

43. विवाह गीत

राजा जनक घर कन्या जन्मनी जैसे दुइजिया क चाँद

देस ही देस राजा चिठिया पठावन नउवा के डारें पुकार

अइने नउवा पलंग चढ़ी बइठें काउ राजा डारेल पुकार

राजा जनक जी के कन्या जनमनी रिसी के खबर जनाव

एक बन गइल दुजे बन गइने तीसरे में रिसी के दुआर

हम तोह्से पुछिला बनवा क रिसी मुनि कहवाँ बाते जनक दुआर

जनक दुअरवा बइली चमेली सोने रुपे लागल केवाड एक बन गइलें दूजे बन गइले तीसरे में दसरथ दुआर

एक हाथे नउवा हो चिठिया थमौल एक हाथे करला सलाम चिठिया ही थामी राजा बतिया छिपावे

हसत महलिया में जाय

घर में से निकललिन रानी कौसल्या राजा के डारेनी पुकार जवन ही चिठिया राजा बगिया छिपव्ला

उहे चिठ्ठी बाची के सुनाव

राजा जनक जी के कन्या जनमली राम संग होइहे बियाह

44. विवाह गीत

चार चार खंड हमरे बाबा क पोखरवा राम नहाय के जाए

राम नहाई के धोतिया कचारेले चल लेंन लट छितराय

मचिया ही बइठलिन रानी कौसल्या मोरे घर राम कुवार

तुवतो झनका रानी राम जनमवा अब् झनका तू राम बियाह

सोने क छडीया राजा दसरथ लियाव्लें चलले जनक जी के द्वार

जनक दुवरवा चन्दन रुख पेड़वा सेंदुरे रुन्हल बगवान

सोने क चउकिया बइठे राजा जनक बारिन पाँव पखार

बइठा तू राजा हो सोने क चौकिया कहा अयोध्या क कुसलात

हमरी अजोधिया में सब कुस्लतिया तोहरो जे चाहि कुसलात

तोहरे त बाटी राजा सीता कुआरी मोर घर राम कुआर

सीता रनियवा लगन धरावा कई लेता धरम बियाह

45. विवाह गीत (बन्ना बन्नी गीत)

बन्ना बुलाये प्यारी बन्नी की स र र र चली आना -2

कहो तो सूट भेजूं ,कहो तो मैक्सी भेजूं

सूट में छोटी लागू ,मैक्सी में मोटी लागू

भेजो बनारसी सारी ,मैं स र र र चली आऊँ

बन्ना बुलाये प्यारी बन्नी की स र र र चली आना -2

कहो तो रिक्सा भेजूं, कहो तो ठेला भेजूं

रिक्सा पे हचका लागे ,ठेला पर भचका लागे

भेजो सफारी गाडी ,मैं स र र र चली आऊँ

बन्ना बुलाये प्यारी बन्नी की स र र र चली आना -2

कहो तो ससुर भेजूं ,कहो तो भसुर भेजूं

ससुर सराबी लागे, भसुर जुआरी लागे

आओ तो खुद चले आओ ,मैं स र र र चली आऊँ

बन्ना बुलाये प्यारी बन्नी की स र र र चली आना -2

46. विवाह गीत (हल्दी गीत)

गाई के गोबरा महादेव अंगना लिपाई देहलीं ,चौका पुराइ देहलीं ,

कलसा बैठाई देहलीं ,कलसा पे दियना जराई देहलीं

एह्वा ही बेटा बैठाई देहली

हरदी लगाव चाची ,हरदी लगाव भाभी

अन्न धन सोनवा लूटाइ देहीं , हरदी लगाईं चाची हरदी लगाईं चाची

अनहार जोबना लुटाइ देहीं   ,हरदी लगाइ भाभी हरदी लगाइ भाभी

हरदी लगाव मामी   ,हरदी लगाव दीदी

अनहर सोनवा लुटाईं मामी ,हरदी लगाईं मामी

अनहर सोनवा लुटाईं देहीं   , हरदी लगाईं दीदी , हरदी लगाईं दीदी |

47. विवाह गीत

पूरब ही खोजली मों पछुए ही खोजली

अरे पछुए ही खोजली की खोजी अइली देस संसार रे ललनवा -2

एक माहि खोजलीं आजमगढ़ नगरिया

अरे जहां पे रहलें कुवार रे ललनवा -2

गोडवा तोहार देखि कदली के खाम्भवा

अरे बांह जैसे पवदल दार रे ललनवा -2

अंखिया तोहर देखि अमवा के फकिया

अरे नकिया सुगनवा के ठोर रे ललनवा -2

पिठीया तोहर देखि धोबिया के पटवा ,पेट पुरैनिया के पात रे ललनवा -2

मुहवा में तोरे देखीं कचरल पनवा

अरे दतवा में लागले बतीसी रे ललनवा

अब कवने अवगुण रहेला कुवार रे ललनवा -2

48. विवाह गीत (बन्ना बन्नी गीत)

बन्ना बुलाये बन्नी नहीं आये आ जा प्यारी बन्नी रे अटरिया सूनी पड़ी -2

मैं कैसे आऊँ मेरे पापा जी खड़े हैं ,पापा जी खड़े हैं मेरे ससुर जी खड़े हैं

की पायल मेरी बजनी रे अटरिया सू नी पड़ी

पायल को उतार्र के लम्बा घूंघट डाल के आजा मेरी सजनी रे

अटरिया सूनी पड़ी -2

बन्ना बुलाये बन्नी नहीं आये आ जा प्यारी बन्नी रे अटरिया सूनी पड़ी -2

मैं कैसे आऊँ मेरे भैया जी खड़े हैं भैया जी खड़े हैं मेरे जेठ जी खड़े हैं

की पायल मेरी बजनी रे अटरिया सूनी पड़ी

पायल को उतार के लम्बा घूंघट डाल के आजा मेरी सजनी रे

अटरिया सूनी पड़ी -2

बन्ना बुलाये बन्नी नहीं आये आ जा प्यारी बन्नी रे अटरिया सूनी पड़ी -2

मैं कैसे आऊँ मेरे चाचा जी खड़े हैं चाचा जी खड़े हैं मेरे देवर जी खड़े हैं की पायल मेरी बजानी रे अटरिया सुनी पड़ी

पायल को उतार्र के लम्बा घूंघट डाल के आजा मेरी सजनी रे

अटरिया सूनी पड़ी -2

बन्ना बुलाये बन्नी नहीं आये आ जा प्यारी बन्नी रे अटरिया सूनी पड़ी -2

49. विवाह गीत

मंगल गीत

तू जोड़ा मेरा रंग दे माँ शेरा वाली -2

जिस रंग में तेरा कंगना रंगा है -2 उसी रंग में रंग दे

मा शेरा वाली -2

तू जोड़ा मेरा रंग दे मा शेरा वाली -2

जिस रंग में तेरा सिंदुरा रंगा है -2 उसी रंग में रंग दे

माँ शेरा वाली –2

तू जोड़ा मेरा रंग दे मा शेरा वाली-2

जिस रंग में तेरी बिंदिया रंगी है -2 उसी रंग में रंग दे

माँ शेरा वाली –2

जिस रंग में तेरी चुनरी रंगी है -2 उसी रंग में रंग दे

माँ शेरा वाली –2

तू जोड़ा मेरा रंग दे मा शेरा वाली—2

50. विवाह गीत (गारी गीत)

जरा ठुमुकी ठुमुकि पउवा डालो रे दुलह्वा मोरे अंगना -2

तोहार ससुर ना बोलावे तोहार सास ना बोलावे - हो हमारे अंगना

तू त केकरे बोलाए चले आयो रे दुलह्वा हमारे अंगना –

तोहार सार ना बोलावे तोहार सरहज ना बोलावे - हो हमारे अंगना

तू त केकरे बोलाए चले आयो रे दुलह्वा हमारे अंगना –

हमाँर बुआ ना बोलावे हमार फूफा ना बोलावे - हो हमारे अंगना

तू त केकरे बोलाए चले आयो रे दुलह्वा हमारे अंगना –

हमाँर चाचा ना बोलावे हमार चाची ना बोलावे -2 हो हमारे अंगना

तू त केकरे बोलाए चले आयो रे दुलह्वा हमारे अंगना –

51. विवाह गीत (गारी गीत)

पंडित हाली हाली करहु बियाह त बेटी सुकुवार न हो -2

जइसे करइल क चक्का वइसे बाभन उचक्का सुन पंडित रे

पंडित हाली हाली करहु बियाह त बेटी सुकुवार न हो -2

जइसे बकरी क पोंछ वइसे पंडित जी क मोंछ ,सुन पंडित रे

पंडित हाली हाली करहु बियाह त बेटी सुकुवार न हो -2

जइसे भसुर बकलोल वइसे अगुआ बकलोल सुन पंडित रे

पंडित हाली हाली करहु बियाह त बेटी सुकुवार न हो –

52. विवाह गीत

मंगल गीत धार गिरते समय

धरिया गिरइहा ए भइया रस्म निभईहा ए भैया

ए भइया टूटे ना पनिया के धार जी

धरिया जे टूटिहे ए भईया बहिना जे छुटिहे इ भईया

हसिहें बरतिया के लोग जी

सावन के महिनवा ए भइया रखिया के दिनवां ए भइया रखिया बन्हावे अइहा द्वार जी

बचपन में हमने ए भईया एक साथ खेली इ भईया अभी त छुटत बाटे साथ जी

53. विवाह गीत (खिचड़ी गीत)

मांग मांग बाबू माँगा तू हजार पईबा -2

चैन घडी अंगूठी साथे साथ पईबा मांग मांग बाबू माँगा तू हजार पईबा -2

घडी जो चाहे घडी तू मांग ला ,टाइम देखाई ना आई घडी का करबा

मांग मांग बाबू माँगा तू हजार पईबा -2

गाडी जो चाहे गाडी तू मांग ला हैंडल पकडे ना आई गाडी का करबा

मांग मांग बाबू माँगा तू हजार पईबा -2 टी बी जो चाहे टी बी तू मांग ला रिमोट पकडे ना आई टी बी का करबा मांग मांग बाबूमांग तू हजार पईबा -2

54. विवाह गीत (नकटा गीत)

ना मनवा लागे हमार नइहर में -2

जाई कहा हमरे बारे ससुर से ,भेज दीहें पाती अ दींन नइहर में

ना मनवा लागे हमार नइहर में -2

जाई कहा हमरे बारे भसुर से ,भेज दीहें डोलिया कहार नइहर में

ना मनवा लागे हमार नइहर में -2

जाई कहा हमरे बारे देवर से ,होरी के चली अइहे नइहर में

ना मनवा लागे हमार नइहर में -2

जाई कहा हमरे बारे सजन से ,भेज दीहें सोलहो सिंगार नइहर में

ना मनवा लागे हमार नइहर में -2

ऋतु गीत

55. फाग

चली आव हो मीत चली आव हो मीत ,मोरे दुवारे पर बंगला

के हो उठावेला कोठवा अरे के हो उठावे दहलीज -2

अरे के हो उठावेला बंगला मोरे दुवारे पर बंगला

चली आव हो मीत चली आव हो मीत ,मोरे दुवारे पर बंगला

बाबा उठावेलन कोठवा अरे देवर उठावे दहलीज -2

अरे सइया उठावेल बंगला मोरे दुवारे पर बंगला

चली आव हो मीत चली आव हो मीत ,मोरे दुवारे पर बंगला

56. फाग

अंखिया भइले लाल एक नींद सुते द बलमुआ -2

चढ़ल फगुनवा में गवना करइलें

मीठी मीठी बतिया से सुझिया हेरइलें

अरे पोरे पोर टूटे ला बदनवा -2 ,एक नींद सुते द बलमुआ -2

बाली रे उमरिया में बिजुरी धरइलें

सांझी के सेजरिया पे जबरी उ अइलेन

अरे नस नस टूटला बदनवा -2 एक नींद सुते द बलमुआ -2

अंखिया भइले लाल एक नींद सुते द बलमुआ -2

57. **फाग** /होली गीत

का देके शिव के मनाईं हो शिव मानत नाहीं -2

पूडी मिठाई शिव के मनहिं न भावे ,भांग धतुर कहाँ पाईं हो शिव मानत नाहीं

का देके शिव के मनाईं हो शिव मानत नाहीं -2

महल दुमहल शिव के मनहिं ना भावे , कैलास गिरी कैसे लाइ हो शिव मानत नाहीं

का देके शिव के मनाईं हो शिव मानत नाहीं -2

साला दुशाला शिव के मनही ना भावे, मिर्ग क छाल कहाँ पाईं हो शिव मानत नाहीं

का देके शिव के मनाईं हो शिव मानत नाहीं -2

हाथी अ घोडा शिव के मनही ना भावे, नंदी बैल कैसे पाईं हो शिव मानत नाहीं

का देके शिव के मनाईं हो शिव मानत नाहीं -2

58. फाग गीत

घुघुर लागे झुलनी हो हमार भइया बुनेलवा -2

केकरे संगरवा बाड़े ओइरा से गोइडवा

अरे केकरे ही संगरवा लम्बे दूर भइया बुनेलवा

बाबा के संगरवा बाड़े ओइरा से गोइद्वा मोरे राम ओइरा से गोइडवा

अरे भइया के हो सांगरवा लम्बे दूर भइया बुनेलवा

मथनी जे गइलिन रामा बाबा के हो संगरवा मोरे राम बाबा के हो संगरवा

अरे झुलनी हो गिरेला बीचे धार भइया बुनेलवा

मोरे पिछवरवा बाटे माला हाय रे चोकरवा हाय राम माला हाय रे चोकरवा

सगरे में डाले महा जाल भइया बुनेलवा

एक ही ओरिया फसे रामा घुघची रे सेवरवा अरे घुघुची रे सेवरवा

दूजे ओरिया झुलनी हो हमार भैया भइया बुनेलवा

59. फाग

रतिया क सपनवा दिनवा जुरमुवा न भइले ना -2

के हो गइल पूरब पश्चिम के हो गइल पटना अरे के हो गइल पटना

अरे के हो गइल देसवा रे बिदेस छोटकी ननदी

देवरू गइलन पूरब पश्चिम भसुरु गइल पटना – 2

अरे पियवा गइलन देसवा रे बिदेस छोटकी ननदी

के हो लावे साया सारी के हो लावे कंगना ,अरे के हो लावे कंगना

अरे के हो लावे सेंदुरा हमार बिदेस छोटकी ननदी

देवरू लावे साया सारी सासू लावे कंगना ,अरे सासू लावे कंगना

अरे पियवा लावे सेंदुरा हमार छोटकी ननदी-2

60. फगुआ गीत

सखी आज चलो ब्रज ओरी खेलत हरि होली -2

खेलत हरि होली -2

गवाल बाल जगन्नाथ साथ हैं ,वहा वृषभान किसोरी

खेलत हरि होली -2

सखी आज चलो ब्रज ओरी खेलत हरि होली -2

गलियां गलियां धूम मची है ,अब अत्रं की अधिकारी ,

खेलत हरि होली -2

सखी आज चलो ब्रज ओरी खेलत हरि होली -2

ताल बजावे झकझोर सखी सब ,अब गावत झूमर होली

खेलत हरि होली -2

सखी आज चलो ब्रज ओरी खेलत हरि होली -2

61. होली गीत

शिव शंकर ब्याहन आये सखी सिव दानी ब्याहन आये -2

ना लाये बाजा ना हो बाराती -2 ,भूत पिसाच लिए आये सखी

शिव दानी ब्याहन आये -2

ना लाये चुनरी हो ना लाये पियरी -2 मिर्ग क छाल लिए आये सखी

शिव दानी ब्याहन आये -2

ना लाये बिंदिया हो ना लाये कंगना -2 भूत भभूत लिए आये सखी

शिव दानी ब्याहन आये -2

ना लाये हाथी हो ना लाये घोडा -2 नंदी बईल लिए आये सखी

शिव दानी ब्याहन आये -2

शिव शंकर ब्याहन आये सखी सिव दानी ब्याहन आये -2

62. चौताल गीत

कान्हा ले गईल हो मथनिया -2   दहिया कईसे के महीं-2

सोने के थाली में जेऊना परोसा -2 ना कान्हा जीमें ना हो जीमावै

कान्हा अंगना में मारे लोटरिया -2 दहिया कईसे के महीं

कान्हा ले गईल हो मथनिया -2   दहिया कईसे के महीं-2

लौंग इलायची का बीड़ा लगाया -2 ना कान्हा खाए ना हो खियावें

कान्हा अंगना में मारे लोटरिया -2 दहिया कईसे के महीं

कान्हा ले गईल हो मथनिया -2   दहिया कईसे के महीं-2

चंपा चमेली का सेजिया सजाया -2 ना कान्हा सोवे ना हो सोवावें

कान्हा अंगना में मारे लोटरिया -2 दहिया कईसे के महीं

कान्हा ले गईल हो मथनिया -2   दहिया कईसे के महीं-2

63. पहपट गीत

पिया बीतल जाला फगुनवा हो फगुनवा अइब तू कउने महिनवा -2

अइब तू जेठ महिनवा हो महीनवा तड तड चूवे पसीनवा

पिया बीतल जाला फगुनवा हो फगुनवा अइब तू कउने महिनवा -2

अइब तू सावन महिनवा हो महीनवा टपटप टपके सवनवा

पिया बीतल जाला फगुनवा हो फगुनवा अइब तू कउने महिनवा -2

अइब तू माघ महिनवा हो महीनवा थर थर कापे बदनवा

पिया बीतल जाला फगुनवा हो फगुनवा अइब तू कउने महिनवा -2

कबहुं परदेसिया अइब करी हो रसी रसी बेनिया डोलइब करी

कबहुं परदेसिया अइब करी हो टूटही मडइया छवइब करी

कबहुं परदेसिया अइब करी हो नवकि रजइया ओढ़इब करी

पिया बीतल जाला फगुनवा हो फगुनवा अइब तू कउने महिनवा -2

कबहुं परदेसिया अइब करी हो टूटही मडइया छवइब करी

कबहुं परदेसिया अइब करी हो नवकि रजइया ओढ़इब करी

पिया बीतल जाला फगुनवा हो फगुनवा अइब तू कउने महिनवा -2

64. होली गीत

सिरहाने से कागा उडी भागा मोरा सइयां अभागा ना जागा -2

ना जागा हो ना जागा -2 सिरहाने से ....-2

उडी कागा मोरा नथिया प बइठे नथिया पे बइठे हो -2

नथिया का सब रस ले भागा मोरा सइयां अभागा ना जागा

उडी कागा मोरा जोबना पे बइठे जोबना पे बइठे हो -2

जोबना का सब रस ले भागा मोरा सइयां अभागा ना जागा

उडी कागा मोरे लहंगा पे बइठे लहंगा पे बइठे हो -2

लहंगा का सब रस ले भागा मोरा सइयां अभागा ना जागा

सिरहाने से कागा उडी भागा मोरा सइयां अभागा ना जागा -2

65. लाल गुलाल भरे पिचकारी ,अब छिरकत ब्रज क किसोरी

खेलत हरि होली -2

सखी आज चलो ब्रज ओरी खेलत हरि होली -2

ललिता देखि देखि सखिन को ,अब देखनी श्याम की ओरी

खेलत हरि होली -2

सखी आज चलो ब्रज ओरी खेलत हरि होली -2

ओह दिन क कसार सब निकराब ,अब ठाट बनी बस मोरी

खेलत हरि होली -2

सखी आज चलो ब्रज ओरी खेलत हरि होली -2

66. चैता गीत

चूअत अहरवे अजोर हो रामा चइत महिनवा,चइत महीनवा हो चइत महिनवा

चइत महिनवा हो चइत महिनवा चूअत अहरवे अजोर हो रामा चइत महिनवा

अमवाँ मऊर गइलें निबिया बउरि गइलें ,देहिया टूटेला पोरे पोर हो रामा चइत महीनवा

चूअत अहरवे अजोर हो रामा चइत महिनवा

उडी उडी मनवा छुएला अस्मनवा ,बान्हल पिरितिया के डोर हो रामा चइत महीनवा

चूअत अहरवे अजोर हो रामा चइत महिनवा

अंखिया ना खर खाले निदिया उजर जाले ,बगिया भइल लरकोर हो रामा ,चइत महीनवा

चूअत अहरवे अजोर हो रामा चइत महिनवा,-2

67. चैता गीत

बाबा घर उठीहें दरदिया हो रामा अब के चइतवा -2

बाबु झुरइहें जइसे छाहे क इनरवा ,माई झुराई जैसे नदिया हो रामा , अब के चइतवा -2

बाबा घर उठीहें दरदिया हो रामा अब के चइतवा -2

छूटी जइहे बाबा सब घरवा दुव्र रवा ,छूटी जइहे केवड़ा मेहंदिया हो रामा अब के चइतवा -2

बाबा घर उठीहें दरदिया हो रामा अब के चइतवा -2

सासू सरीखी कुछ देवरा सरीखी ,ओनहूँ से ढेर ननदिया हो रामा अब के चइतवा -2

बाबा घर उठीहें दरदिया हो रामा अब के चइतवा -2

68.चैता गीत

सेजिया से सइयां रूठ गइले हो रामा ,कोयल तोरी बोलिया -2

रोज तू बोले कोइलर सांझ सबेरवा

आज बोलेलू आधी रतिया हो हो रामा ,कोयल तोरी बोलिया -2

सेजिया से सइयां रूठ गइले हो रामा ,कोयल तोरी बोलिया -2

अमवाँ कटइबे कोयलर बबुरा लगइबे

खोतवा में अगिया लगइबे हो रामा कोयल तोरी बोलिया -2

सेजिया से सइयां रूठ गइले हो रामा ,कोयल तोरी बोलिया -2

69. चैता / चैती गीत

भरत चले चित्रकूट हो रामा ,राम को मनाने -2

राम को मनाने , भाभी सीता को रिझाने ,भरत ....

तन पुलकित अति सजल नयन भर -2

सर पर लेस जटा जूट हो रामा ,राम को मनाने

राम को मनाने भइया लखन को लिवाने , भाभी सीता को रिझाने

भरत चले चित्रकूट हो रामा ,राम को मनाने -2

छन बिलखत छन प्रेम मगन मन

मन करे धीरज छुट हो रामा , राम को मनाने

भरत चले चित्रकूट हो रामा ,राम को मनाने -2

राम को मनाने , भइया लखन को लिवाने , भाभी सीता को रिझाने

भरत चले चित्रकूट हो रामा ,राम को मनाने -2

70. कजरी गीत

हमके साबुन माँगा द हमाम पिया ,बढे लागल दाम पिया ना -2

जब ले साबुन ना मंगइब ,तब ले जेवना ना बनइब -2

तोहरे जेवना पे करब हम हड़ताल पिया ,बढे लागल दाम पिया ना

हमके साबुन माँगा द हमाम पिया ,बढे लागल दाम पिया ना -2

जब ले साबुन ना मंगइब ,तब ले पनिया ना पियइबे -2

तोहरे पनिया पे करब हम हड़ताल पिया ,बढे लागल दाम पिया ना

हमके साबुन माँगा द हमाम पिया ,बढे लागल दाम पिया ना -2

जब ले साबुन ना मंगइब ,तब ले पनवा ना खियइबे   -2

तोहरे पनवाँ पे करब हम हड़ताल पिया ,बढे लागल दाम पिया ना

हमके साबुन माँगा द हमाम पिया ,बढे लागल दाम पिया ना -2

जब ले साबुन ना मंगइब ,तब ले सेजिया ना सजइबे   -2

तोहरे सेजिया पे करब हम हड़ताल पिया ,बढे लागल दाम पिया ना

हमके साबुन माँगा द हमाम पिया ,बढे लागल दाम पिया ना -2

71. कजरी गीत

सखिया सावन बहुत सुहावन , ना मन भावन अइलन मोर -2

 ना मन भवन -2 ऐलान मोर

एक त पावस ख़ास अमावस -2 काली घटा चहू ओर

पानी बरसात जियरा तरसत , दादुर मोर मचावत सोर

सखिया सावन बहुत सुहावन , ना मन भावन अइलन मोर -2

ठनका ठनकल -2 झींगुर झनकत , चमकत बिजुरी ताबड़ तोड़

कहतही नारी तिहारी पियारी , से होई गइलन चित चोर

सखिया सावन बहुत सुहावन , ना मन भावन अइलन मोर -2

72. कजरी गीत

रुन झुन खोला ना हो केवड़िया ,हम बिदेसवा जइबो ना -2

जो मोरे सइयां तोहू जइबा बिदेसवा हो ना

हमरा बाबा के हो बोला इ दा हम नइहरवा जइब ना -2

जो मोरी धनियाँ तुहू अरे जइबू नइहरवा हो

जेतना लागल बा हो रुपइया ,ओतना दे के जइह ना -2

जो मोरे सइयां तुहू लेबा रुपइया ना

जइसन बाबा घरवा रहिनी , वइसन कई के भेजा ना

73. कजरी गीत

चाहे भइया अइहें चाहे ना हो ,सवनवा में हम ना जइबे ननदी -2

सोने के थाली में जेउना परोसा -2

चाहे भइया खइहें चाहे ना हो ,सवनवा में हम ना जइबे ननदी

चाहे भइया अइहें चाहे ना हो ,सवनवा में हम ना जइबे ननदी -2

लवंग इलायची क बीड़ा लगाया -2

चाहे भईया चाबे चाहे ना हो , सवनवा में हम ना जइबे ननदी -2

चाहे भइया अइहें चाहे ना हो ,सवनवा में हम ना जइबे ननदी -2

74. कजरी गीत

कइसे खेले जइबू सावन में कजरिया , बदरिया घेरी आई ननदी -2

तू त जात हउ अकेली कोई संगी ना सहेली

गुंडा रोक लिहें तोहरी डगरिया , बदरिया घेरी आई ननदी -2

कइसे खेले जइबू सावन में कजरिया , बदरिया घेरी आई ननदी -2

भउजी बोलेलू तू बोली , सुन के लागे हमरा गोली

काहे पडल बाडू हमरी नगरिया , बदरिया घेरी आई ननदी -2

कइसे खेले जइबू सावन में कजरिया , बदरिया घेरी आई ननदी -2

कितने दामुल फ़ासी पड गए , कितने गोली खा के मर गए

कितने पीसत होइहें जेले में चकरिया , बदरिया घेरी आई ननदी -2

कइसे खेले जइबू सावन में कजरिया , बदरिया घेरी आई ननदी -2

75. कजरी गीत

पूरी दुनिया में सबसे न्यारी सानबा ,देस मोर महान बा ना -2

पावन गंगा के ह पानी ,हरिश्चंद्र जइसन दानी -2

गीता के संदेस वेद और पुराण बा ,देस मोर महान बा ना -2

हवे चार दिव्य धाम ,जेकर बिस्व में बा नाम

मोरा कश्मीर स्वर्ग के समान बा, देस मोर महान बा ना -2

इहवा जन्मे राम श्याम ,मारे अधर्मी तमाम

बीर बुद्धिमान ऋषि मुनि क खान ब ,देस मोर महान बा ना -2

राम सिवा ऐसन त्यागी शेखर भगत जैसन बागी

हमनी सबके इ देस स्वाभिमान बा ,देस मोर महान बा ना -2

76. कजरी गीत

मिर्जापुर कइल गुलजार हो, कचौड़ी गली सून कइल बलमू -2

जल बिन तड्पेली जैसे मछरिया तडपेलि वइसे ही तोहरी गुजरिया -2 कचौड़ी गली सून कइल बलमू -2

मिर्जापुर कइल गुलजार हो, कचौड़ी गली सून कइल बलमू -2

लागता बहुते जबुन मोरे सजना आईके कमाँ लेटा उन मोरे सजना -2 कचौड़ी गली सून कइल बलमू -2

मिर्जापुर कइल गुलजार हो, कचौड़ी गली सून कइल बलमू -2

बरसे ला बदरा जुडाले धरतिया ,मोर बिरहनिया के आग धधके छतिया -2 कचौड़ी गली सून कइल बलमू -2

मिर्जापुर कइल गुलजार हो, कचौड़ी गली सून कइल बलमू -2

दिन रात बरसे ला बैरी सवनवा , खूनवा के आंसू बरिसे नयनवा -2 कचौड़ी गली सून कइल बलमू -2

मिर्जापुर कइल गुलजार हो, कचौड़ी गली सून कइल बलमू -2

77. कजरी गीत

सेजिया पे लोटे काला नाग हो कचौड़ी गली सून कइल बलमु -2

मिर्जा पुर कइला गुलजार हो कचौड़ी गली सून कइल बलमु -2

एही मिर्जापुर से उडले जहजिया -2

सइयां चल गइल रंगून हो, कचौड़ी गली सून कइल बलमु -2

हिय की बेदना बइदो ना जाने,

तंनवा गलेला जइसे नून हो कचौड़ी गली सून कइल बलमु -2

मिर्जा पुर कइला गुलजार हो कचौड़ी गली सून कइल बलमु -2

पनवा से पातर भइल तोर धनिया हो ,

हिय्वा में लागल जैसे घुन हो कचौड़ी गली सून कइल बलमु -2

मिर्जा पुर कइला गुलजार हो कचौड़ी गली सून कइल बलमु -2

78. कजरी गीत

पिया मेहंदी लिया दा मोती झील से ,जा के साइकिल से ना -2

पिया मेहंदी तू लियाव , छोटकी ननदी से पिसाव ,हमरे हथवा में लगा द काँटा कील से

जा के साइकिल से ना

पिया मेहंदी लिया दा मोती झील से ,जा के साइकिल से ना -2

इ ह सावनी बहार ,माना बतिया हमार -2

कौनो फायदा ना निकली दलील से ,जा के साइकिल से ना -2

पिया मेहंदी लिया दा मोती झील से ,जा के साइकिल से ना -2

पकड़ लिह बागबान, चाहे हो जाई चलान -2

तोहके लड़ के हम छोड़ा लेब वकील से ,जा के साइकिल से ना -2

पिया मेहंदी लिया दा मोती झील से , जा के साइकिल से ना -2

हमके लागल बाटे साज , पूरा कई दा पिया आज

तोह्पे सब कुछ निछावर कइली दील से , जा के साइकिल से ना -2

पिया मेहंदी लिया दा मोती झील से ,जा के साइकिल से ना -2

79. कजरी गीत

सावन हे सखी सगरो सुहावन ,रिमझिम बरसेला मेघ हे -2

सबके बलमवा प्यारे घर घर अइलन, हमरो बलम परदेस हे

सावन हे सखी सगरो सुहावन ,रिमझीम बरसेला मेघ हे -2

रही रही चितवेली गोरिया अकेली ,टपके नयनवा हमेश हे

सावन हे सखी सगरो सुहावन ,रिमझीम बरसेला मेघ हे -

नेहिया के जलवा से भरली घडीलवा ,लागली पिरितिया के ठेस हो

सावन हे सखी सगरो सुहावन ,रिमझिम बरसेला मेघ हे -2

कांप उठे बिरहिन के मनवा सवनवा में ,सुनी के बिजुरिया के संदेस रे

सावन हे सखी सगरो सुहावन ,रिमझिम बरसला मेघ हे -2

80. कजरी गीत

पारवती महादेव का बयान सुनो ,जरा धर के ध्यान सुनो ना -2

गौरा बोली त्रिपुरारी, बात मानिये हमारी -2

लोग जा रहे हैं गंगा स्नान सुनो, जरा धर के ध्यान सुनो ना

पारवती महादेव का बयान सुनो ,जरा धर के ध्यान सुनो ना -2

शिव जी गंगा तट पे आये , रूप कोढ़ी का बनाये

पारवती बनीं परी के समान सुनो , जरा धर के ध्यान सुनो ना

पारवती महादेव का बयान सुनो ,जरा धर के ध्यान सुनो ना -2

लोग देखने को आये, नजर गौरा से लड़ाए

लोग बोली बोले नारी सुकुमार सुनो , जरा धर के ध्यान सुनो ना

पारवती महादेव का बयान सुनो ,जरा धर के ध्यान सुनो ना -2

वहाँ भक्त एक आया, शिव को गले से लगाया

रोग छूटी गया तुरतै की हाल सुनो , जरा धर के ध्यान सुनो ना

पारवती महादेव का बयान सुनो ,जरा धर के ध्यान सुनो ना -2

81. कजरी गीत

अरे रामा मति जा तू गोरी रोपनिया ,परत बाटे पनिया रे हरी-2

अरे रामा माने ना मोरी बचनिया ,परत बाटे पनिया रे हरी-2

चिपकी देहीं से साड़ी हो रामाँ ,लोगवा घूरी के निहारी हो रामाँ-2

अरे रामा ताकी ललची के बनिया ,परत बाटे पनियां रे हरी

अरे रामा मति जा तू गोरी रोपनिया ,परत बाटे पनिया रे हरी-2

अबहीं चुनरी बा कोरी हो रामाँ ,पूरवा बहे झकझोरी हे रामा -2

अरे रामा हल्ला करे पैजनियाँ ,परत बाटे पनिया रे हरी-2

मान हमरी इ बतिया हो रामा ,ठहरा आजके रतियाँ हो रामा -2

अरे रामा गढ़वा देइब हम नथुनियाँ ,परत बाटे पनियां रे हरी

अरे रामा मति जा तू गोरी रोपनिया ,परत

82. कजरी गीत

अरे रामा रिमझिम पड़ेला रसबुनिया मगन सारी दुनिया ए हरी -2

अरे रामा रिमझिम पड़ेला फुहार मगन सारी दुनिया ए हरी -2

देखि नभ में बदरिया कारी, जग में खुशियाँ मनावे नर नारी -2

अरे रामा सुख के सपनवा लियाइल , मगन सारी दुनिया ए हरी -2

अरे रामा रिमझिम पड़ेला रसबुनिया मगन सारी दुनिया ए हरी -2

पपीहा पिया ओ पिया पुकारे की नइया नदिया किनारे निहारे -2

अरे रामा झूम झूम झूम बरसे ला सवनवा मगन सारी दुनिया ए हरी -2

अरे रामा रिमझिम पड़ेला फुहार मगन सारी दुनिया ए हरी -2

83. कजरी गीत

अरे राजा पलने में झूले ललनवा पलनवा झुला दा ए हरी -2

सासू जी अइहें देवता मनइहें , देवता मनाई उन्हें नेक चाल चइहें

अरे राजा पियरी पे भईल महंगाई पियरिया ना देब ए हरी

अरे राजा सासू के देह समुझाई पियरिया ना मांगे ए हरी -2

अरे राजा पलने में झूले ललनवा पलनवा झुला दा ए हरी -2

जेठनी जी अइहें देवता मनइहें , देवता मनाई उन्हें नेक चाल चइहें

अरे राजा सोनवा पे भईल महंगाई तिलरिया ना देब ए हरी

अरे राजा जेठनी के देह समुझाई तिलरिया ना मांगे ए हरी -2

अरे राजा पलने में झूले ललनवा पलनवा झुला दा ए हरी -2

देवर जी अइहें बासुरी बजइहें , बासुरी बजाई उन्हें नेक चाल चइहें

अरे राजा देवर के देह समुझाई की घडीया ना मांगे ए हरी -2

अरे राजा घडिय पे भईल महंगाई की घडिय ना देब ए हरी

अरे राजा पलने में झूले ललनवा पलनवा झुला दा ए हरी -2

84. कजरी गीत

कोयल बोल रही अमवाँ की डारी सखी ,बोल प्यारी प्यारी सखी ना -2

छाई सावनी बयार जिया भइल बेकरार -2

देखि नभ बिच घटा कारी कारी सखी बोल प्यारी प्यारी सखी ना -2

,कोयल बोल रही अमवाँ की डारी सखी बोल प्यारी प्यारी सखी ना -2

रही बिजरी जब कड़क छाती जाती है धड़क -2

मदन जोर से बहे जब कुवारी सखी बोल प्यारी प्यारी सखी ना -2

,कोयल बोल रही अमवाँ की डारी सखी बोल प्यारी प्यारी सखी ना -2

दादुर बोले चहुँ ओरे उठे मनवा में हिलोर -2

आधी रात रही झींगुर झनकारी सखी बोल प्यारी प्यारी सखी ना -2

,कोयल बोल रही अमवाँ की डारी सखी बोल प्यारी प्यारी सखी ना -2

भरे ताल और तलैया ,सावन बहे पुरवैया -2

फूल बेला फुले भर भर कियारी सखी बोल प्यार प्यारी सखी ना-2

,कोयल बोल रही अमवाँ की डारी सखी बोल प्यारी प्यारी सखी ना -2

झुलब अमवाँ की डार पिया अइहैं जो एहि बार -2

ओनसे हम तो मंगइबै नई सारि सखी बोल प्यारी प्यारी सखी ना-2

,कोयल बोल रही अमवाँ की डारी सखी बोल प्यारी प्यारी सखी ना -2

85.कजरी गीत

झूलें पालन में हंसी हंसी बनवारी सखी नन्द के दुवारी सखी ना -2

नन्द रानी जब झुलावें ,मन में फूले ना समावें

बाल लीला करे मोहन अवतारी सखी नन्द के दुवारी सखी ना -2

झूलें पालन में हंसी हंसी बनवारी सखी नन्द के दुवारी सखी ना -2

मुख अति छवि छाई गलवा में अरुणाई

कारी लट देखि घटा घेरे कारी सखी नन्द के दुवारी सखी ना -2

झूलें पालन में हंसी हंसी बनवारी सखी नन्द के दुवारी सखी ना -2

छोटे छोटे स्वेत दांत देखि मोतिया भी सरमात

सोभा दूनी बढे मारे जो किलकारी सखी नन्द के दुवारी सखी ना -2

झूलें पालन में हंसी हंसी बनवारी सखी नन्द के दुवारी सखी ना -2

नर नारी सभी आवें दरस पाके वे हरसायें

फिर बलइया लेवें सभी बारी बारी सखी नन्द के दुवारी सखी ना -2

झूलें पालन में हंसी हंसी बनवारी सखी नन्द के दुवारी सखी ना -2

भाग जसोदा के जागे देव भक्ति रस पाके

श्री कृष् आये संत हितकारी सखी नन्द के दुवारी सखी ना -2

झूलें पालन में हंसी हंसी बनवारी सखी नन्द के दुवारी सखी ना -2

86. कजरी गीत

गलियाँ क गलियाँ घूमे मुरारी -2

अरे रामा के हो धरइहे नारी, बइद बड़ा भारी ए हरी -2

बइद बड़ा भारी ए हरी

अपनी खिडकिया से राधा पुकारे -2 अरे रामा हमही धर इबे नारी

बइद बड़ा भारी ए हरी

अरे रामा हमही धर इबे नारी, बइद बड़ा भारी ए हरी

कान्हा आये पलंग चढ़ी बैठे ,आये कान्हा पलंग चढ़ी बैठे

अरे रामा पकडें राधिका जी क नारि, बइद बड़ा भारी ए हरी

अरे रामा के हो धरइहे नारी ,बइद बड़ा भारी ए हरी

धरि नारी बइदा खींचे तन क साड़ी ,नारी धरी बइदा खींचे तन की सारी

अरे रामा छोडो बइद मोर सारी , नाहीं त देब गारी ए हरी

87. कजरी गीत

श्री राम चन्द्र बनवा को जाने लगे सबको रुलाने लगे ना -2

गए पिता जी के पास ढूदे नैना से आस

वो तो राम ही राम गोहराने लगे ,सब को रुलाने लगे ना

गए माता के पास ढूनें नैन से आस

माता राम को गले से लगाने लगी सबको रुलाने लगे ना

गए सीता के पास सीता कर ली बिलाप

राम सीता को बनवा ले जाने लगे सब को रुलाने लगे ना

गए लक्ष्मण के पास लखन रोय छाछा काल

राम लखन को बनवा ले जाने लगे सब को रुलाने लगे ना

गए परजा के पास सब करे हाय हाय

राम सबको धीरज बंधाने लगे सब को रुलाने लगे ना

88. कजरी

अरे रामा दगा कियो बनवारी कहे बृजनारी ए हरी -२

अरे रामा दिल में न दर्द बिचारी कहे बृज नारी ए हरी

दूध दही हाथों से खिलाया ,सेवा किया हरसाई ओ रामा

अरे रामा श्याम निठुर पन धारी कहे बृज नारी ए हरी

अरे रामा दगा कियो बनवारी कहे बृजनारी ए हरी -२

कुब्जा भइली सवती हमारी ,हरी पे जादू डारी ए राम

अरे रामा मोहि लियो मक्कारी कहे बृज नारी ए हरी

अरे रामा दगा कियो बनवारी कहे बृजनारी ए हरी -२

राम गोपाल बिकल बृज नारी ,जिनी मछली बिन वारि ए राम

अरे रामा शोक हिरदय मंह भारी कहे बृज नारी ए हरी

अरे रामा दगा कियो बनवारी कहे बृजनारी ए हरी -२

89. बारहमासा

जेकर प्रीतम है परदेस धरे कैसे धीर

,असाध में रिमझिम देव बरसे सावन बूँद गंभीर

भादों बिजुरी चमकीले इ सखी ,अब थर थर काम्पेला सरीरा ,धरे कैसे धीर

क्वार में बरखा हीन भये ,तब कातिक रचत जिखीरा

अगहन ओस सतावले इ सखी ,बालम बिन रेन अन्धीरा ,धरे कैसे धीर

पूस में जादा अधिक पडत है ,माघ बसंत गंभीर

फागुन में सब होरी खेले सखी ,हम कह्पर दारी अबीर ,धरे कैसे धीर

चैट में फूल रहे लगे बं टेसू बैसाख सोहे बीरा ,

जेठ में आस लगे परदेसी क ,जब आवन लगे रघुबीर

धरे कैसे धीरा

90. बारहमासा

लगा मसवा असाढ ,भरी गय नदिया अ नार ,कई गय दिन रात गाढ,

हो ननद के बिरना , हो ननद के बिरना , , हो ननद के बिरना -2

गावे कजरी के गीत ,हम लागे अन्धरीत ,घर में नाहीं बालम मीत,

के झुलावे झुलना ,के झुलावे झुलना-2 के झुलावे झुलना

सावन कोदो क बोवइया ,घर में नाहीं हर नद्वैया ,बिना ननदी के भइया

के बोवाई बियना, के बोवाई बियना -3

आई सावनी बहार ,गोरी करी के सिंगार ,चोटी गूहें बार बार

वे पहिर के कंगना, वे पहिर के कंगना -2

भादो गेदु ला गम्भीर ,उठे बिरहा के तीर ,घर में नाहीं दावन गीर

के हरे हो बेदना के हरे हो बेदना -2

घटा लागे बड़ी जोर ,बिजली चमके चहू ओरे ,बन में बोले दादुर मोर

घर में नाहीं सजना घर में नाहीं सजना -2

क्वार कुम्हला के हार ,नाही भावे आँगन द्वार ,कई गए कवन करार

जेहि दिन आवे गवना जेहि दिन आवे गवना -2

तो आय दसमी क मेला ,साथे पैसा नाही ढेला ,बालम कई गइला अकेला

मेला भइल सपना मेला भइल सपना -2

त आई कातिक निर्मल रात ,अब त बीत गयी बरसात ,गोरिया घर में ताके बाट

अब बजावे कंगना अब बजावे कंगना -2

आई गए ब दिवाली ,पूजा करे नर नारी ,हमरे महल अंधियारी

के जलावे दियना के जलावे दियना -2

अब त लागल अगहन ,भइले घरे घरे लगन ,आई नंदी क सुदिनवा

नाहीं माने कहना नाहीं माने कहना-2

अबही कैसे करी बिदाई ,बिलकुल उम्र अहि लरकाइ ,बिना नंदी क भाई ,

,के पठावे पठना ,के पठावे पठना -2

पूस पडला फुहार ,गरजे सिंह और सियार ,जाडा लागे जियरा जरे

के ओढावे ओढना के ओढावे ओढना -2

धरे जोगनी क भेस ,कटे हमरो कलेस ,जरे सगरो कमाई

इ ससुरो क रहे ना इ ससुरो क रहे ना -2

त माघ मौजी महिना ,सैयां हमरो दुःख दिना ,जोर मारे मोर सीना

के हरे हो बेदना, के हरे हो बेदना -2

लगे मसवा बसंत , घर में नाहीं हमरो कन्त ,कही होई गए साधु संत

वे करे हो भजना वे करे हो भजना -2

बहे फागुनी बयार ,वृक्ष हो गय्रले पतझार ,गिरे फगुवा धमाल

घरघर बाजे बजना घरघर बाजे बजना -2

त लोग बोले जब कबी, मोरे जिया ना धरे धीर , घर में नाही बालम मीत

कह पर छोड़ी रंग ना कह पर छोड़ी रंग ना -2

चइत फुलत हय चमेली ,चंपा हो गयी अलबेली ,अपने सैयां की अकेली

कहाँ जाई सूझे ना कहाँ जाई सूझे ना -2

माह बैसाख क लवैया ,ताके जेठ लगवइया ,सखी बालम है अवइया

हम त जाईब गवना हम त जाईब गवना -2

91. जतसार गीत

सवरिया सुधिया सतावे सुन तोर

,पल भर बिसरे ना तोरी सुरतिया -2

बटीया जोहत हो बितावली सारी रतिया

रोवत रोवत भइली भोर हो

सवरिया सुधिया सतावे सुन तोर

महल अटारी मोर मन ही ना भावे -2

सुतल जीयरा के मदन सतावे

,भइली नगरिया में सोर हो

सवरिया सुधिया सतावे सुन तोर

श्रम गीत

92. रोपनी गीत

काऊ ही देखि सीता मनवा लोभइला हो

अरे करेली अरजिया भगवान् सावरिया ,ले अव्ता स्वामी जी हो मृग के छलिया हो राम

एही पर आसन लगवति हे राम

इतनी बचनिया राम सुनबे जो कइला हो राम

लिहले धनुस हाथे बाड सवलिया रे

एक बन गइलन दुसर बनवा गइला हो राम

तीसर बनवा मिलल सिकरवा सवलिया रे

काऊ नउवा बीचे ठाड़ी सवलिया रे

काऊ ही देखि सीता मनवा लोभइली हो राम

93. रोपनी गीत

बहे के त पुरबा बही गइले पाछे अरमनवा बही गइले ना ,असे आजादी के आरियाँ रामा बही गइले ना

ताहि तर पातर पियवा पलंग लगवले सोई रहले ना ,सुख निदिया के निदिया रामा सोई गइले ना

नींद के भरम पियवा हथवा लगवला रामा टूटी गइले ना

गज मोतिया हरउवा रामा टूटी गइले ना

रोवले पातर हे तिरिया लट धुनी केसिया रामा टूटी गइले ना , गज मोतिया हरउवा रामा टूटी गइले ना

चुप रहा चुप रहा अंतरी तिरियवा रामा गढ़ाई देब ना ,गज मोती के हरउवा रामा गढ़ाई देब ना

हथवा में लेले बिंदिया कहवाँ कुदाली रामा चली भइले ना ,उ सोनवा दुकनियां रामा चली भइले ना

 एक कोस गइले धियाव दुई कोसे गइले रामा तीसर कोसे ना मिल गइले चर्वह्वा रामा मिल गइले ना

मई तोहसे पुछिला गइया चर्वह्वा कहवा है ना ,ऊँचे सोनर दुकनवा रामा कने है ना

मैं नाही जनली भइया भइया रह्गिरवा रामा पूछी राउर ना

पूजे धान के रोपनिया रामा पूछे ला उहाँ ना

मई तोसे पुछिला धान के रोपनिया रामा कने हई ना ,ऊँचे सोनार के दुकनियां रामा कने है ना

ऊँचे ऊँचे गढ़वा के नीचे हई दुकनियां रामा उहे हई ना , उजे सोनार दुकनिया रामा उहे हई ना

क्रीडा गीत /बाल गीत /लोरी गीत

94. बाल गीत

नानी तेरी मोरनी को मोर ले गए

बाकी जो बचा था काले चोर ले गए -2

खा के पी के मोटे होके चोर बैठे रेल में

चोरों वाला डिब्बा कट के पहुंचा सीधे जेल में

नानी तेरी मोरनी को मोर ले गए बाकी जो बचा था काले चोर ले गए -2

उन चोरों की खूब खबर ली मोटे थानेदार ने

मोरों को भी खूब नचाया जंगल के सरदार ने

नानी तेरी मोरनी को मोर ले गए बाकी जो बचा था काले चोर ले गए -2

अच्छी नानी प्यारी नानी गुस्सा गुस्सी छोड़ दे

जल्दी से एक पैसा दे दे , तू कंजूसी छोड़ दे

नानी तेरी मोरनी को मोर ले गए बाकी जो बचा था काले चोर ले गए -2

95.बाल गीत

चंदा मामा दूर के पुए पकाए गुर के , आप खाए थाली में मुन्ना कूदे प्याली में

प्याली गयी टूट मुन्ना गया रूठ

लायेंगे नई प्यालियाँ बजा बजा के तालियाँ

मुन्ने को मनाएंगे हम दूध मलाई खायेंगे

चंदा मामा दूर के पुए पकाए गुर के , आप खाए थाली में मुन्ना कूदे प्याली में

उड़न खटोले बैठ के मुन्ना चंदा के घर जायेगा

तारों के संग आख मिचोली खेल के दिल बहलायेगा

खेल कूद से जब मेरे मुन्ने का दिल भर जायेगा

ठुमक ठुमक   के   मेरा मुन्ना वापस घर को आएगा

चंदा मामा दूर के पुए पकाए गुर के , आप खाए थाली में मुन्ना कूदे प्याली में -2

96. बाल गीत

नन्हे मुन्ने बच्चे तेरी मुट्ठी में क्या है -2

मुट्ठी में है तकदीर हमारी हमने किस्मत को बस में किया है

भोली भाली मतवाली आँखों में क्या है

आँखों में झूमे उम्मीदों की दिवाली ,आने वाली दुनिया का सपना सजा है –

नन्हे मुन्ने बच्चे तेरी मुट्ठी में क्या है -2

भीक में जो मोती मिले लोगे या ना लोगे

ज़िन्दगी के आसुओं का बोलो क्या करोगे

भीख में जो मोती मिले तो भी हम ना लेंगे

ज़िन्दगी के आसुओं की माला पहनेंगे

मुश्किलों से लड़ते भिड़ते जीने में मज़ा है

नन्हे मुन्ने बच्चे तेरी मुट्ठी में क्या है -2

हमसे ना छिपाओ बच्चों हमें तो बताओ

आने वाली दुनिया कैसी होगी समझाओ

आने वाली दुनिया में सबके सर पे ताज होगा

ना दुखों की भीड़ होगी ना दुखों का राज होगा

बदलेगा ज़माना ये सितारों पे लिखा है

नन्हे मुन्ने बच्चे तेरी मुट्ठी में क्या है -2

97. बाल गीत / लोरी

ए चंदा मामा आरे आव पारे आव नदिया किनारे आव

सोना के कटोरवा में दूध भात लेले आव ,बबुआ के मून्हा में घूटूर

आव हो उतर आव हमरी मुंडेर

कब से पुकारी ला भइल बड़ी देर -2

भइल बड़ी देर हो बाबु के लागल भूख , ए चंदा मामा ....

मनवा हमार अब लागे कहीं ना

रहिला जो एक घडी बाबु के बिना

एक घडी हमरा त लागे सौ जून ,ए चंदा मामा ....

ए चंदा मामा आरे आव पारे आव नदिया किनारे आव

सोना के कटोरवा में दूध भात लेले आव ,बबुआ के मून्हा में घूटूर

आव हो उतर आव हमरी मुंडेर

98. खेल गीत

आओ मिलो सीलो सालो कच्चा धागा रेस लगा लो

एक धागा कच्चा हिरन का बच्चा

हिरन गया पानी में

पकड़ा उसको नानी ने

नानी गयीं लन्दन, वहाँ से लाई कंगन

कंगन गया टूट नानी गयीं रूठ

नानी को मनाएंगे

रस मलाई खायेंग , रस मलाई में काँटा

बन गया उसका पराठा

पराठे बड़े सस्ते

नानी जी नमस्ते

पेशा गीत

99. धोबी गीत

इंग्लिस फैसन में बदनवा , मोर सजा दे बलमा ,मोर सजा दे बलमा -2

तरुण अवस्था हाय हमारी, बीतल अब बचपनवां

नए नए फैसन के देखि, लहके मोर परनवा

सुनीला धडके त धियनवा ,मोर सजा दे बलमा

इंग्लिस फैसन में बदनवा , मोर सजा दे बलमा ,मोर सजा दे बलमा -2

क्रीम पाउडर होठ की लाली, ला दो लक्स सबुनवा

इतर तेल कंघी सर्वोत्तम, एक सुन्दर दर्पनवा

देखू उठ कर नित दर्सनवा ,मोरे सजा द बलमा

इंग्लिस फैसन में बदनवा , मोर सजा दे बलमा ,मोर सजा दे बलमा -2

सारी बनारस क सइयां ,अर साया भी रंगिनवा

चोली बूटेदार हो अइसन , देखे सकल जमनवा

पहनूं छलके त जोबनवा ,मोर सजा द बलमा

इंग्लिस फैसन में बदनवा , मोर सजा दे बलमा ,मोर सजा दे बलमा -2

ऊंची एडी वाला सनडील ,मोजा कसे चरनवा

बेदी मस्तक कान क बाली ,सोने क तगडवा

झुलनी नकिया क गहनवा, मोर सजा द बलमा

इंग्लिस फैसन में बदनवा , मोर सजा दे बलमा ,मोर सजा दे बलमा -2

करू सिंगार पिया है जिस दम, मोहित होवे मंनवा

देखि देखि जेसे उ सोचे , अव्तिन जरा समनवा

मिटते दिल से अरमनवा ,मोर सजा द बलमा

इंग्लिस फैसन में बदनवा , मोर सजा दे बलमा ,मोर सजा दे बलमा -2

100. कहरवा

हमरे टीकुलिया क सान हो टिकुली गिरे न देब -2

हमरे टिकुलिया पे तीन फिलिम बनल बाटे , साजन ,सुहागिन ,नदिया पार हो

हमरे टीकुलिया क सान हो टिकुली गिरे न देब -2

हमरे टीकुलिया पे तीन हीरो मरत बाटे ,जितेंदर ,धरमेंदर ,सलमान खान हो

हमरे टीकुलिया क सान हो टिकुली गिरे न देब -2

हमरे टीकुलिया पे तीन देस बसल बाटे , भारत ,अमरीका ,पाकिस्तान हो

हमरे टीकुलिया क सान हो टिकुली गिरे न देब -2

101. कहरवा गीत

मुट्ठी भर जीरवा बोवली नदिया तीरवा -2,

बारी ननदिया हो बारी ननदिया हो

फुलवा फुलेला कचनार

देहु ना सासू हो सुपवा बढनिया ,सुपवा बढनिया सासु सुप्वा बढनिया –

अरे देहु ना सासु हो सुप्वा बढनियान बारी ननदिया हो जीरवा बहोरे हम जाब

..जीरवा बहोरत क टूटली बढनिया , अरे जीरवा बहो रत क टूटली बढनिया ,

बारी ननदिया हो ,सासु देहली गरिया हजार

बारी ननदिया

..सबके दीहला ब्रह्मा अन्न धन सोनवा, बारी ननदिया हो ,,हमरा के बलमा नादान

बारी ननदिया

..बलमा नादान लेके गईली हम बजरिया ,गईली हम बजरिया बारी ननदिया हो ,लोग पूछें के हवे तोहर

बारी ननदिया

..जनती तू ही ए सासू भैया गरियइबु ,भैया गरियइबु सासु भैया गरियइबु ,अरे जनि तू ही ए सासु भैया गरियइबु

बारी ननदिया हो

नैहरे से बढ़नी मंगैबो

बारी ननदिया हो फुलवा फुलेला कचनार ||

.   .. **मुट्ठी भर जीरवा बोवली नदिया तीरवा -2 ,बारी ननदिया हो बारी** ननदिया हो

102. कहरवा गीत

हमरे झुलनी के करंनवा पिया रवनवा भइल ना -2

सासु मारे तंनवा ससुर मारे तनवा

 तनवा ओनहु मारे ना ,जेकरे संग में जल गहँनवा ,तंनवा ओनहु मारे ना

जेठ मारे तंनवा जेठानी मारे तंनवा

तनवा ओनहु मारे ना

जेकरे संग में गठबधनवा तनवा ओनहु मारे ना

देवर मारे तनवा देवरानी मारे तनवा

तनवा ओनहु मारे ना

जवन बाटे मोरे सजनवा तनवा ओनहु मारे ना

तनवा ओनहु मारे ना

103. कहरवा पछुवाही

रथ पर निरखत जात जटाई

विप्र रूप धरी चला निसाचर ,राम राम गोहराई

ले भिक्षा निकली माता जानकी ,रथवा पे लेत चढ़ाइ

रथ पर निरखत जात जटाई

करत बिलाप जात माता जानकी ,शरण शरण गोहराई

जो कोई होखे हो राम के दल में ,रथवा से लेते दौड़ाई

रथ पर निरखत जात जटाई

इतने बचन जब सुनलें जटाई ,बात पूछें अरथाई

अरे केकर नारी ,नाम रौवा का ह ,के तुहें हर ले जाई

रथ पर निरखत जात जटाई

उत्तर दिशा एक नगर अयोध्या ,दशरथ सुत रघुराई

ओनहीं क नारी नाम मोर सीता ,हर्लें निसाचर जाई

रथ पर निरखत जात जटाई

इतना बचन जब सुनलें जटाई ,मार मार कर धाई

चोचन मारी महाजुध कीये ,रथवा से लिहलें छोड़ाई

रथ पर निरखत जात जटाई

कहाँ गया तोर अग्नि बाण औ कहाँ गयी बिर ताईं

अग्नि बाण खिची मारे निसाचर ,चोंच पंख जरी जाई

रथ पर निरखत जात जटाई

भर मुख सीता हो देत असीसा ,जुग जुग जियहूँ जटाई

कबहूँ त राम मिरग मारी क अइहें ,मुक्ति तोहार बनी जाई

रथ पर निरखत जात जटाई

104. कहरवा गीत

आपन जियरा सम्भारी, तोहें हो बालमा -2

फुलवा तोडन गयी तबहु आये बालमा , आपन डलिया सम्भारी तोहें हो बालमा

आपन जियरा सम्भारी, तोहें हो बालमा -2

पनिया भरन गयी तबहु आये बालमा, आपन घडीला सम्भारी तोहें हो बालमा

आपन जियरा सम्भारी, तोहें हो बालमा -2

रोटिया बेलन गयी तबहु आये बालमा, आपन बेलना सम्भारीं तोहें हो बालमा

आपन जियरा सम्भारी, तोहें हो बालमा -2

सेजिया सोवन गयी तबहु आये बालमा, आपन ललना सम्भारी तोहे हो बलमा

आपन जियरा सम्भारी, तोहें हो बालमा -2

105. कहरवा गीत

एक तो अन्धियरिया दूजे पिया क कोठरिया बलमुआ मोर बोलावें इह्हो लाली सेजिया

कइसे के आई राजा तुहरी लाली सेजिया हे तोहरी लाली सेजिया मयरिया टोरी जागे इह्हो साड़ी रतिया

बोली बतियाई रनिय मइया के सोवावा अरे धीरे धीरे आवा इह्हो लाली सेजिया

कइसे के आई राजा तोहरी लाली सेजिया पयलिया सोर मचावे इह्हो साड़ी रतिया

पाँव की पयलिया रनिया निकारी के रखिह ठुमुकी के आवा ऐहो रानी धनिया

कइसे के आई राजा तोहरी लाली सेजिया -2 गोदिया हमरे बाटे इह्ही होरिल्वा

गोदिया क होरिल्वा रनिया ठोकी के सुतावा की बिहसति के आवा इह्हो लाली सेजिया

लोकगीत

106. सोरठी

रात बोले चिरई पराते कोयलरिया –पराते कोयलरिया हो

मोरवा बोलेला आधी रातन वे राम -2

मोरे पिछवरवा रे घनी बसवरिया अरे घनी बसवरिया हो

जेह्पे चिरइयन के बसेरन वे राम -2

मोरवा के बोलिया करेजवा में साले करेजवा में साले हो

कुहुक कुहुक कटल रातन वे राम -2

रात अन्धियरवा में सूनी रे सेजरिया अरे सूनी रे सेजरिया हो

अक्सर जियरा डेरालस वे राम -2

पिया गईल पटना देवर माटी लगना देवर माटी लगना हो

आफत भइल बडवारन वे राम -2

रात बोले चिरई पराते कोयलरिया –पराते कोयलरिया हो

मोरवा बोलेला आधी रातन वे राम -2

107. सोरठी गीत

श्री ब्रिनदाबनवा में पकली बइरिया अरे पकली बइरिया हो राम

राधा तोड़े डडीया नवाईन हो राम रामा हो

एकहुन बइरिया राधा तोडली ना पउलिं हो -2

कान्हा दीह्लें बंसिया बजाई हो राम रामा हो

कान्हा के बंसुरिया रामा   बाजेला सपनवा हो -2

अगिया लगाई जियरा जरावेला हो राम ,रामा हो

सून कई के गइलें कान्हा हमरी भवनवा हो

हमरू के मतिया गईल मराई हो राम

श्री ब्रिन्दावनवा में पकली पकली बइरिया अरे   पकली बइरिया हो राम

108.सोरठी गीत

झुलवा झुलेलि मईया सातों रे बहिनिया , अरे सातो रे बहिनिया हो

लचकेला निमिया क डारन व़े राम

नारियल चुनरिया मईया तोहके चढव्ली अरे तोहके चढवली हो

सूनी लिया अरज हमारन वे राम

झुलवा झुलेलि मईया सातों रे बहिनिया , अरे सातो रे बहिनिया हो

बेला फूल फुले मईया मलिया दुवरिया अरे मलिया दुवरिया हो

अड़हुल फुले मईया हारन वे राम

झुलवा झुलेलि मईया सातों रे बहिनिया , अरे सातो रे बहिनिया हो

खीर पुसी हलुवा मईया तोहके चढवली अरे तोहके चाधाव्लिन हो

भोगवा लगवली कंचन थारन हो राम

झुलवा झुलेलि मईया सातों रे बहिनिया , अरे सातो रे बहिनिया हो

लचकेला निमिया क डारन व़े राम

109. झूमर गीत

अमवाँ महुववा के झूमे डरिया ए जी अमवाँ महुववा के झूमे डरिया

तनी ताका ना बलमवा हमार ओरिया -2

अमवाँ मोजरी गइलें महुवा कोटाई गइलें

रसवा से भर गइले सब डरिया ए जी रसवा से भर गइले सब डरिया

तनी ताका ना बलमवा हमार ओरिया -2

महुआ बिनन हम गइनी महुआ बगिया

रहिया में छेकेलें देवर पपिया ए जी रहिया मे छेकलें देवर पपिया

तनी ताका ना बलमवा हमार ओरिया -2

कोयली क बोली सुन मन बउराइ गइलें

अजहू ना अइले बलम रसिया ऐ जी अजहू न अइले बलम रसिया

तनी ताका ना बलमवा हमार ओरिया -2

110. झूमर गीत

चल हो गोरिया चल हो गोरिया धीरे धीरे डगरिया -2

बेला भी गमके चमेली भी गमके

गमक गोरिया गमक गोरिया तोरी गम गम अचरवा –2

चल हो गोरिया चल हो गोरिया धीरे धीरे डगरिया -2

चमचम चमकेला तोहरी चुनरिया -2

चमक गोरिया चमक गोरिया मांग तोहरी सिंदुरवा

111. झूमर गीत

पीपरा के पात पर पलईया डोले रे नंदी वीसे डोले रे जियरा हमार रे छोटकी ननदी

नाक के नथियवा भली तेजी देबू रे ननदी

पातर पियवा तेज लो न जाय रे छोटकी ननदी

पीपरा के पात पर पलईया डोले रे नंदी वीसे डोले रे जियरा हमार रे छोटकी ननदी

हाथ के कंगनवा भले तेजी देबो रे ननदी

पीपरा के पात पर पलईया डोले रे नंदी वीसे डोले रे जियरा हमार रे छोटकी ननदी

पाँव के पायलिया भले तेजी देबो रे ननदी

पातर पियवा तेज लो न जाय रे छोटकी ननदी

पीपरा के पात पर पलईया डोले रे नंदी वीसे डोले रे जियरा हमार रे छोटकी ननदी

112. झूमर गीत

हमार बिंदिया बिन सूना सिंगार -2

कोठा पे ढूदूं बरौठा पे ढूदूं ,अंगना में ढूदूं बार बार

हमार बिंदिया बिन सूना सिंगार -2

सास से पूछूं ननदिया से पूछूं ,देवरा से पूछूं बार बार

हमार बिंदिया बिन सूना सिंगार -2

सजे पे ढूदूं सेजरिया पे ढूदूं ,सइयां से पूछूं बार बार

हमार बिंदिया बिन सूना सिंगार -2

जेठनी से पूछूं ,देवरानी से पूछूं ,जेठ से पूछूं बार बार

हमार बिंदिया बिन सूना सिंगार -2

सजे पे ढूदूं सेजरिया पे ढूदूं ,सइयां से पूछूं बार बार

हमार बिंदिया बिन सूना सिंगार -2

जेठनी से पूछूं ,देवरानी से पूछूं ,जेठ से पूछूं बार बार

हमार बिंदिया बिन सूना सिंगार -2

113.बिरहा गीत

इहे बाटे मिलना की इहे बातटे जुलना साथी इहे बाटे भेटिया दीदार

मिलही के होई साथी मिली जुली लिहा ना त उठी जाए हटिया बाजार

कजरी के दिन कजरवा हेरईले, ले गईल ननदिया चोराय

हे हो गंगा मईया तोह पियरी चढईबो ननदी उलटी के चली जाय

केकरे दुआरे बाजी अजना से बजना केकरे दुआरे बाजे ढोल

केकरे दुआरे बाजे लाल पिपिहिरिया कहवाँ चढाइ बा होत

राम के दुआरे बजे अजना से बजना लक्ष्मण दुआरवा बाजे ढोल

सीता के दुरवा बाजे लाल पिपहीरिया लंका पर चढाइ बा होत

कीत नीक लागे मोहे राम की भजनिया किय रे जोगिनिया के गीत

की त नीक लागे श्री हे किशन कन्हईया

बंसी हेरात बा जमुन्वा के तीर

अगीया लगाए कोइरिन तोरे कोइरन्वा अरे आया तमखुआ क पेड़

संझवा त सईयाँ मोरे गजवा सवदले फूको दिहले अल्हर करेज

ओहो ब्रिनदा बनवा में पकली बयिरिया की राधा तोड़े डरिया ओन्हाई

एकही बइर राधा तोडली ना पउलिं की कान्हा दिहले बसिया बजाई

114. गोदना गीत

गुजर गोदना गोदाला हम त गोद जानिला

महादेव महरठ पर गोदाब कान्हे काली मइया ,गिरिजा नन्द गला पर गोदब पारवती के छइया

दोनों गलवा चार चिरइया हम त गोदे जानीला

पीठ पर गोदब ब्रह्मचारी जप राम राम रघुरइया पेट में गोदब अवन पवन के जब लंका दहन करइया

सो ओठवा लक्ष्मण भइया हम त गोद जानीला

बांह पे गोदब ब्रिज के लाला गोकुल चरावत गईया दोनों कुचहुर पर गोदँव हम त आख पर गोदब अत्रि मुनि के

अनसन ले अनुसुईया दोनों कुचहुर पे गोदव हम त गोद जानीला

पैर पर गोदब गुर गुझुइया कुछ ना लेब गोदइया कह सुन गोदहांरिन बइठ मोरी अगनईया

भर भर बहिया हम गोदवाईब हम त गोद जानीला

गुजर बांह पकड़ जब मन मोहन लगे चलावे सुईया छोड़ कलाई मन मोहन पीर हमसे सही ना जाय

राधा भागे भवनवा   हम तो गोद जनीला

बुझिगो कान्हा राधा की चतुराई मारल तोर कघाई हम तो गोद जानीला

115. बिदेसिया गीत

पूरब पूरब जीन करा तू बिदेसिया रे ,पूरब क पनिया खराब रे बिदेसिया- 2

ओही पूरब देसवा में बड़ी बंग्लिनिया रे ‘जादू मार लीहें ‘भरमाई रे बिदेसिया |-2

हमरे हरियाजी के कारी कारी जुल्फी रे ,चन्दन घेरल लिलार रे बिदेसिया |

अंखिया ता हई जैसे अमवा क फकिया रे 2 नकिया सुगंन वा क ठोर रे बिदेसइया

रहिया में चलत बटोही हीत भैया रे सईया क पता दा बताई रे बिदेसिया

116. बिदेसिया गीत

गवना करा के पिया घरे बैठवलन से ,अपने त गईला परदेस रे बिदेसिया अपने त गईला परदेस रे बिदेसिया -2

अमवा मोजरी गईलें लागलें टिकोरवा से दिन पर दिन पियराई रे बिदेसिया -2

चिट्ठियों ना पाती भेजें एकहू संदेसवा रे ,अंगूरी पर दिन गिन बिताई रे बीदेसिया -2

रतिया ना नींद आवे दिन ना चयान्वा रे ,अंखिया गईल पथराई रे बिदेसिया -2

रहिया में चलत बटोही हीत भैया रे ,हमरो संदेस दा सुनाई रे बिदेसिया -2

117. बिदेसिया गीत

नीक सइयां बिन भवनवा नाहीं लागे सखिया -2

रिमझिम रिमझिम बरसला सवनवा बैरी बस में नाही मनवा -2 नीक ....

फूली नहीं समाई धरती पहिन हरियरी सारी रे -2

बालम वाली होइके भी मैं फिरती रहूँ कुवारी रे

मन में जरे बिरहा की आगि छूटे नहीं छुडाये लागी -2

नीक सइयां बिन भवनवा नाहीं लागे सखिया -2

बुरी यह दुनिया में चलना लेके रूप जवानी रे -2

आख उठावे छैल छबीले हाथ उठावे ग्यानी रे

पंडित के ना मिले सगुनवा बाबा समझे ना मोरा मनवा -2

नीक सइयां बिन भवनवा नाहीं लागे सखिया -2

धरती की तो प्यास बुझ गयी मैं प्यासी की प्यासी रे -2

गाँठ जोड़ के फल पाउली होइके रही उदासी रे

सुन के रसडूबी कजरिया लागे जियरा में कटरिया

नीक घर औरो अंगनवा नाहीं लागे सखिया

नीक सइयां बिन भवनवा नाहीं लागे सखिया -2

118. बिदेसिया गीत

हम दुनिया करेला बदनाम बलमवा तोहरे बदे -2

होई गइले निदिया हराम बलमवा तोहरे बदे-2

मीठी बतियाँ से जियरा लोभाव्ला ,हस के जादू नजर क चलवल

लेहला खरीद हम भरली बजरिया में

गइली बिकाय बिना दाम , बलमवा तोहरे बदे

हम दुनिया करेला बदनाम बलमवा तोहरे बदे -2

पहिले त छुप छुप के खिचड़ी पकव्ला

अब हम पतझड़ क बथुआ बनवल

धोका कइला कौन फल पउला

तडपु सुबह और साम बलमवा तोहरे बदे

हम दुनिया करेला बदनाम बलमवा तोहरे बदे -2

चैन नाहीं आवे पिया दिनवा अ रतिया

छाती पे मूंग डरे बैरन सवतिया

सासू के बतिया सहिला ऊपर से

नंदी क भइली गुलाम बलमवा तोहरे बदे

हम दुनिया करेला बदनाम बलमवा तोहरे बदे

119. बिदेसिया गीत

दिनवा गिनत मोरी घिसली अंगुरिया की रहिया तकत नैना धुरे रे बिदेसिया

दिनवा गिनत मोरी घिसली अंगुरिया की रहिया तकत नैना धुरे रे बिदेसिया

कुहुक लागे कोयली पिहिक रे पपिहरा , गउर लागे अमवा बउर भइले जियरा

गउर लागे अमवा बउर भइले जियरा उमंग आस असुवा में चूरे रे बिदेसिया

की रहिया ताकत तकत नैना धुरे रे बिदेसिया

दिनवा गिनत मोरी घिसली अंगुरिया की रहिया तकत नैना धुरे रे बिदेसिया

आलस लागे तंनवा उमस जागे मनवा

करेजवा में कई गय बिरस बिसबनवा माँ उत गय नजर मोहि घूरे रे बिदेसिया

दिनवा गिनत मोरी घिसली अंगुरिया की रहिया तकत नैना धुरे रे बिदेसिया -2

120. बिदेसिया गीत

राम लखन दोनों बनवा के जाने अरे सथवा में सिया सुकुमार रे बिदेसिया

जाई के उतरेलें सुर सरि के तीरवा , अरे केवट के डारेलें पुकार रे बिदेसिया

राम पुकारे केवट जे सुनलें अरे नैया लिय्यावेलें किनार रे बिदेसिया

परवा उतर राम देवेलें खेवइया , अरे केवट जे अरज सुनावलें बिदेसिया

बहुत मजूरी प्रभु हमही कमइनिं अरे अइसन भाग नाहीं मिली रे बिदेसिया

परवा उतराई नाहीं लेब रे बिदेसिया

आज त जीवन सुफल होई रे बिदेसिया

जाई के उतरलें ओहो पंचवटीया आसन लिह्नें लगाई रे बिदेसिया

राम सोवैनें लक्ष्मण सोवें , अरे सोई गइनीं सिया सुकुमार रे बिदेसिया

121. बिदेसिया गीत

अपनी महलिया में बैठें रानी कैकई अरे कुबड़ी जे बिधि समझाई रे बिदेसिया

भारत के देदा रानी अजोध्या के रजवा अरे राम के देदा बनवास रे बिदेसिया

इतना बचन रानी सुन ही ना पावनीं अरे राजा के डारलीं पुकार रे बिदेसिया

अइलें राजा पलंग चढ़ी बैठालें अरे काऊ रानिय दरेलु पुकार रे बिदेसिया

भारत के देदा राजा अजोध्या के रजवा अरे राम के देदा बनवास रे बिदेसिया

इतनी बचन राजा सुन ही ना पावलें अरे भूइया गिरेलें मुरिछाई रे बिदेसिया

दुसर मंगन तुही माँगा रे कैकेयी अरे राम जे प्राण के आधार रे बिदेसिया

इतनी बचन रानी सुन ही न पावनी अरे उठनी लहन्वा झहराई रे बिदेसिया

एतनी बचन राम सुन ही ना पवनें अरे ले इ लिह्लें बन बनवास रे बिदेसिया

जब श्री राम चन्द्र गइनें मधुबनवा अरे दसरथ जे तजेलें परान रे बिदेसिया

122. पूर्वी गीत

आधी आधी रतिया के कुहुके कोयलिया हाय राम ,राम बैरनिया रे भइले ना

मोरा अंखिया के निंदिया राम बैरनिया भइला ना

पिया मोरा परदेसिया ना पतिया पठवलन ,राम मनेरिया भइल ना

कइसे जीयत बानी जियल अनर बाटी ,भइले जिनिगिया पहाड़

अइसन बेदर्दी से जोडली सनेहिया की, भइले जिनिगिया बेकार

अंगूरी में डसले बिया नगिनिया रे ,ए ननदी दियना जलाय दा भइया के बोलाय दा

पोरे पोरे उठेले लहरिया रे ए ननदी भईया के बोलाय दा

पूरब गइलिन रामा पछिम गइलिन से ,कतहु न मिले बिसहरिया रे

ए ननदी दियना जलाय दा

अंगुरी में डसले बिया नगिनिया रे ,ए ननदी दियना जलाय दा, भइया के बोलाय दा

तडपेला देहिया जइसे जल बिन मछरिया रेंगनी के काट भइला सेजरिया रे

ए ननदी दियना जलाय दा

पोरे पोरे उठेले लहरिया रे ए ननदी भईया के बोलाय दा

झूठ भइल ओझवा के झार फूक मंतर, अब त जियब जब उहा दीहें जंतर

बान्ह लिहे हमरे नजरिया रे ए ननदी दियना जलाय दा

अंगुरी में डसले बिया नगिनिया रे ,ए ननदी दियना जलाय दा, भइया के बोलाय दा

पोरे पोरे उठेले लहरिया रे ए ननदी भईया के बोलाय दा

123. जेननार गीत

धनि नगर अयोध्या धनि नगर अयोध्या ,जहां राम लीये अवतार जी

धनि मात कौसिल्या -2 जीन के सखी दस पांच जी

धनि रजा जनक जी -2 जिनके द्वारे श्री राम जी

धनि नौ बारी -2 जे राम क दरसन पाई जी

दूध से दही जमा-2 इमली के जोरन डाली जी

खीर मिठाई खीर मिठाई राम क भोजन बनाई जी

सासू कहू से जागे -2 धन्य भाग हमारी जी

धनि नगर अयोध्या -2 जहां राम लिया अवतार जी

124. जेननार

कब अइहो मुरारी

कब अईहो मुरारी लखन सहित ससुरारी जी

कब चरण परबे नीरे नयन उधार जी

कब भोजन परोसय

कब भोजन परोसय भरी भरी कंचन थार जी

सब सखीय सहेली सब सखीय सहेली

गावत मंगल गारी जी

कोई इत्र लगाए

कोई इत्र लगाए कोई देत पान सुपारी जी

125. पर्यावरण तथा अन्य गीत

हरियर बनवा कटाला हो किछु कहलो ना जाला ,देखि देखि जीव घबडाला हो किछु कहलो ना जाला -2

केकरा के छइया बटोहिया छहाये , कहवाँ पे खोतवा चिरइया लगाए

हाड हाड देहिया पहाड़ क देखाए ,कहाँ मिली जड़ी बूटी सेत क दवाई

अरे दिनवा अगम समझाला हो ,किछु कहलो ना जाला , देखि देखि जीव घबडाला हो किछु कहलो ना जाला

मोरवा मोरनिया का नाच कहाँ होई ,बनरा क गोल कौने पेड़वा पर सोई

बघवा भलूनदरा न कहीं रह पइहे ,लमहे लोमड़िया बेचारा बिलखिये

पड़ी जाई कठीयो का ठाला हो किछु कहलो ना जाला देखि देखि जीव घबडाला हो किछु कहलो ना जाला

बासल बसलिया सपन हो जाई, घरवा ना रही बन वासिया भूखाई

126. पर्यावरण तथा अन्य गीत

तार बिजली से पतले हमारे पिया -2

ओ री सासू बता तूने ये क्या किया , तार बिजली ....

सुख के हो गए हैं छुहारे पिया

बेचारे पिया, सब हारे पिया ,कुछ खाते नहीं हैं हमारे पिया

ओ री भउजी बता तूने ये क्या किया तार ......

खा धतुरा अस आज सुतले हमारे पिया ,मारा धक्का ना उठले हमारे पिया

ओ रे बापू बता तूने ये क्या बिया गुलाबी चाचा की क्यारी में काँटा भरा

गुलाबी चाचा की क्यारी में काँटा भरा

ना इधर ना उद्हर ही सिहारे पिया, तार बिजली ....

ओ री सासु बता तूने ये क्या किया ,

ओ री भउजी बता तूने ये क्या किया ,

127. पर्यावरण तथा अन्य गीत

बंसी हमारी देदो राधा तुम्हारे किस काम की

हाय मुरली हमारी देदो राधा तुम्हारे किस काम की -2

काहे से मैं गाऊँ राधा काहे से बजाऊँ

हाय काहे से ठुमका लगाऊँ तुम्हारे किस काम की -2

बंसी हमारी देदो राधा तुम्हारे किस काम की

मुख से तुम गाओ कान्हा हाथो से बजाओ

हाय पैरों से ठुमका लगाओ हमारे सब काम की

काहे से मैं जाऊं राधा सखियाँ को बुलाने काहे से ग्वाल बाल बुलाऊँ

हाय काहे से मैं राधा को बुलाऊँ तुम्हारे किस काम की

बंसी हमारी दे दो राधा तुम्हारे किस काम की

बृंदावन जाओ कान्हा सखियाँ को बुलाने गोकुला जाओ ग्वाल बाल

हाय नैनों से तुम राधा को बुलाओ हमारे सब काम की

बंसी हमारी देदो राधा तुम्हारे किस काम की

128. पर्यावरण तथा अन्य गीत

लियावा हनुमान सीता क खबरिया -2

लंका में पहुंचे त मिल गईं सुरसा रोके खड़ी है डगरिया ,अरे रोके खड़ी है डगरिया

लियावा हनुमान सीता क खबरिया -2

लंका में पहुंचे त मिल गयी लंकिनी रोके खड़ी है दुवरिया, अरे रोके खड़ी है दुवरिया

लियावा हनुमान सीता क खबरिया -2

लंका में पहुंचे त मिल गए विभीषन देखि भगत की झोपडिया ,अरे देखि भगत की झोपडिया

लंका में पहुचे त मिल गयी जानकी डाल दीन्ही मुदरिया ,अरे डाल दीन्ही मुदरिया

लियावा हनुमान सीता क खबरिया -2

129. पर्यावरण तथा अन्य गीत

पनिया के जहाज से पलटनिया बनी अइह पिया

लेले अइह हो -3 पिया सेंदुर बंगाल के .पनिया .....

पनिया के जहाज से पलटनिया बनी अइह पिया

लेले अइह हो -3 पिया टीका राजस्थान के .पनिया .....

पनिया के जहाज से पलटनिया बनी अइह पिया

लेले अइह हो -3 पिया झुमका पंजाब के .पनिया .....

पनिया के जहाज से पलटनिया बनी अइह पिया

लेले अइह हो -3 पिया चोलिया मुल्तान के .पनिया .....

पनिया के जहाज से पलटनिया बनी अइह पिया

लेले अइह हो -3 पिया नथिया बिहार के .पनिया .....

130. पर्यावरण तथा अन्य गीत

रेलिया बैरन पिया को लिए जाए रे ,रेलिया बैरन

जउने टीकसवा से पिया मोर जइहें -2

पनिया बरसे ,टिकस गल जाए रे ,रेलिया बैरन पिया को लिए जाए रे , रेलिया बैरन..

जउने सहरिया को सइयां मोरे जइहन , आगि लागे सहर जल जाए रे

रेलिया बैरन पिया को लिए जाए रे ,रेलिया बैरन

जउने सहब्वा के सइयां मोरे नौकर -2 गोली दागे साहब मर जाए रे ,रेलिया बैरन .....

रेलिया बैरन पिया को लिए जाए रे ,रेलिया बैरन

जउने सवतिया के सइयां मोरे आसिक -2 बलमा मोरे आसिक

खाए धतुरा सवत बउराये रे ,रेलिया बैरन .....

रेलिया बैरन पिया को लिए जाए रे ,रेलिया बैरन

131. अन्य गीत (गुरु महिमा)

सुदामा जी के बगिया में लागल अनार हो -२

जो हम जनती गुरु जी हमरे अइहे रामा -२

निहुरी के अंगना बटोरतो हो राम

सुदामा जी के बगिया में लागल अनार हो -२

जो हम जनती गुरु जी हमरे अइहै रामा

अंगना में आसन लगईतो हो राम

सुदामा जी के बगिया में लागल अनार हो -२

जो हम जनती गुरु जी हमरे अइहे रामा

बगिया से फुलवा मंगव्तो हो राम

सुदामा जी के बगिया में लागल अनार हो -२

जो हम जनती   गुरु जी हमरे अइहैं राम

राम रसोई हम बनवतो हो राम

सुदामा जी के बगिया में लागल अनार हो -२

132. पर्यावरण तथा अन्य गीत

राम हउवन ज्योति हमरे नैनन के

बन मत भेजा हमरे लालन के -2

लेला हमसे सोनवा हो लेला हमसे चनिया

लजिया बचावा हमरे असुवन के

बन मत भेजा हमरे लालन के -2

राम जईहें बने हो तबे हम जुदईबे

कोप भवन में ना त ज़िन्दगी बितईबे

आस लागल ब हमरा मनवन के

बन मत भेजा हमरे लालन के -2

राम हउवन ज्योति हमरे नैनन के

इतना बचन जब भरत जी सुनलें

आपन पैर गद्दी तब कबहु न रखलें

देदा खडउआ भईया चरनन के

बन मत भेजा हमरे लालन के -2

राम हउवन ज्योति हमरे नैनन के

133. पर्यावरण तथा अन्य गीत

नइहरे क रहली बारी दुलारी ससुरे क इ हाल

की लोगवा पागल बनावेना -2

सोलह गज की सारी पहिनी सोलह गज का लहंगा

सास गोसाई तोरे मथ्वे किरिया आधी टांग उघार की लोगवा पागल बनावे ना

सोलह रोटी मैं सर बोटी एक हाडी क दाल ओ रामा -2

सास गोसाई तोरे मथ्वे किरिया राती से उपवास की लोगवा पागल बनावे ना

सोलह लड़का नईहरे भईलें सत्रहवां इ पेट बा

सास गोसाई तोरे मथ्वे किरिया साजन से नाही भेट की लोगवा पागल बनावे ना

134. अन्य गीत (देश भक्ति गीत)

लहर लहर लहराए रे ,मोरा झंडा तिरंगा -2

देखि देखि जिया हरसाए रे , मोरा झंडा तिरंगा

ओही झंडा तरे गाँधी जी बइठें ,धीरे धीरे चक्र चलाई रे , मोरा झंडा तिरंगा

लहर लहर लहराए रे ,मोरा झंडा तिरंगा -2

लहर लहर लहराए रे ,मोरा झंडा तिरंगा -2

ओही झंडा तरे भगत सिंह जी बइठें धीरे धीरे चक्र चलाई रे , मोरा झंडा तिरंगा

लहर लहर लहराए रे ,मोरा झंडा तिरंगा -2

ओही झंडा तरे कलाम जी बइठें , धीरे धीरे चक्र चलाई रे , मोरा झंडा तिरंगा

लहर लहर लहराए रे ,मोरा झंडा तिरंगा -2

देखि देखि जिया हरसाए रे , मोरा झंडा तिरंगा

135. अन्य गीत (देश भक्ति गीत)

भारत मा के इज्जत ब चल ,अरे तोहरे करनवा त बनल रहा हो हमरा देस के जवनवा -2

दुसमन से लडला खाके सिनवा पे गोली चलते मनेला तोहरे दिवाली और होली

तोहरे कारण सब के रहेला भरोसवा

त बनल रहा हो हमरा देस के जवनवा -2

होखे बरसात अ चाहे गर्मी अ सर्दी रहेला तैनात हरदम कसी ये के बर्दी

अरे सबसे ह प्यारा तोहरो प्यारा ब वतनवा

त बनल रहा हो हमरा देस के जवनवा -2

तोहरे से तिरंगा के सान बरकरार बा, चमकत हिंदुस्तान के चमन में बहार बा

अरे, होय सकेला नाहीं तोहरो बखनवा

त बनल रहा हो हमरा देस के जवनवा -2

निर्गुण

136. निर्गुण

कवने खोतवा में लुकइलू अहि रे बालम चिरई -2

बन बन ढूडली, दर दर ढूडली, ढूडली नदी क तीरे-2

सांझ क ढूडली, रात क ढूडली, ढूडली होत फजीरे

जन में ढूडली , मन में ढूडली , ढूडली बीच बजारे-2

हिया गिया में पैस के ढूडली -2 ढूडली बिरह के मारे

कौने अतरे में-2 समइलू, अहि रे बालम चिरई

अहि रे बालम चिरई -2

गीत के हम हर कड़ी से पुछली, पुछलीं राग मिलन से

छंद छंद लय ताल से पुछली, पुछली सुलगे मन से

किरण किरण से जा के पुछली ,पुछली नील गगन से ,पुछली नील गगन से

धरती और पातळ से पुछली पुछली मस्त पवन से

कौने सुगना पर लुभइलू अहि रे बालम चिरई -2

मंदिर से मस्जिद तक देखलीं, गिरजा से गुरुद्वारा -2

गीता और कुरान में देखली , देखली तीरथ सारा

पंडित से मुल्ला तक देखली, देखलीं घरे कसाई

सगरी उमरिया छछनत जियरा , कैसे तोहके पाईं

कौने बतिया पर-2 कोहइलू

अहि रे बालम चिरई -2

कवने खोतवा में लुकइलू ,अहि रे बालम चिरई -2

137. निर्गुण

भंवरवा के तोहरा संग जाई, के तोहरा संग जाई

भंवरवा के तोहरा संग जाई के तोहरा संग जाई

आवे के बेरिया सब केहू जानेला ,दुवरा पे बाजेला बधाई

जाए के बेरिया केहू ना जाने ,हंस अकेले चली जाई

भंवरवा के तोहरा संग जाई के तोहरा संग जाई

देहरी पकड़ी के मेहरी रोये ,बांह पकड़ी के भाई

बीच अंगनवा माता जी रोये ,बबुआ के होखेला बिदाई

भंवरवा के तोहरा संग जाई , के तोहरा संग जाई

कहत कबीर सुनो भाई साधू ,सत गुरु सरन में जाई

जो यह पद के अर्थ बतइहे ,जगत पार होय जाई

भंवरवा के तोहरा संग जाई, के तोहरा संग जाई

138. निर्गुण

की अरे सखिया रे पिया बिना सरिया के हो छोड़ावे हो राम -2

फूल तोड़ गइलिन बारी , सारी मोरा अटकल जाली ,अरे सखिया रे ....

सारी मोर   फाट गइली चोलिया मसकी गइले

अरे सखिया रे नैन टपक नव रंग भीजे हो राम

भीजले भीजल सारी चढली पिया के अटारी

अरे सखिया रे जहवाँ रे जोगिया धुइयाँ रमावेला हो राम

जोगी के सुतल देखलीं धुइयां रमत देखलीं

अरे सखिया रे जोगी के सुरतिया दिल में सालेला हे राम

जोगी के दुवरवा रामा अनद बधइया बाजे

अरे सखिया रे नाचती सूरत सोहागिन हो राम

दुःख हरण गुरु के चरण में जाके रामा ,अरे सखिया रे शिव नारायण निर्गुण गावले राम

139. निर्गुण (धुन पुरबी)

धरम करा अइला ए भवरा , अधरम लेहला बटोर

एकहू धरम ना कइला ,कइला पाप करोन

माटी के सुन्दर देहियाँ , दिहलें बिधना तोर

अंग सुकरम के हो दिहलन ,हियरा ब्याये अंजोर

जागा जागा पापी रे मनवा , तजिदा पपवा घोर

अनघट घाट लागी जिनगी ,होहियें ससतिया तोर

गर्व भरमवा में परिके ,दिहिला जिनिगिया के बोर

काम क्रोध मद लोभ मोह ,पांच गो संघतिया चोर

फूटी जाई माती के पिंजरा, टूटी जाई संसवा के डोर

एक दिन होइबा बेगाना ,चली ना केहू के जोर

धरम करा अइला ए भवरा , अधरम लेहला बटोर

140. निर्गुण

झुलनी का रंग सांचा हमार पिया -2

कौन सोनरवा गढ़ायो रे झुलनिया ,रंग पड़े नहीं कांचा हमार पिया |

झुलनी का रंग सांचा हमार पिया ,

सुवर सोनरवा रची रची बनावे ,दे अगिनी का आंचा हमार पिया -2

झुलनी का रंग सांचा हमार पिया ,

क्षिति जल पावक गगन समीरा ,तत्व मिले दियो पांचा हमार पिया -2

झुलनी का रंग सांचा हमार पिया ,

पञ्च रतन से बनी रे झुलनिया ,जोही पहिरा सोही नाचा हमार पिया -2

झुलनी का रंग सांचा हमार पिया

जातां से रखियो गोरी झुलानिया ,गूंजे चहुँ डीसी बाचा हमार पिया -2

झुलनी का रंग सांचा हमार पिया

टूटी झुलानिया फिर ना बने है ,फिर ना मिले ऐसा ढांचा हमार पिया -2

झुलनी का रंग सांचा हमार पिया

सुर नर मुनि देखि रीझें झुलानिया ,कोई झुलनी ना जग में बाचा हमार पिया -2

झुलनी का रंग सांचा हमार पिया

एही झुलनी में सकल जग मोहे ,ऐसा मोहे साइ राचा हमार पिया -2

झुलनी का रंग सांचा हमार पिया

लोक धुन पर आधारित हिन्दी फ़िल्मी गीत

141. लोक धुन पर आधारित हिन्दी फ़िल्मी गीत

कहे तोसे सजना ये तोहरी सजनिया , पग पग लिए जाऊं तोहरी बलइयां -2

बदरिया सी बरसू घटा बन के छाऊँ ,जिया तो ये चाहे तोहे अंग लगाऊँ

लाज निगोड़ी मोरि रोके है पइयां , पग पग लिये जाऊं तोहरी बलइयां

कहे तोसे सजना ये तोहरी सजनिया , पग पग लिए जाऊं तोहरी बलइयां -2

मैं जग की कोई रीत ना जानूं, मांग का तोहे सिंदूरा मानू

तुही चुडीयाँ मेरी तू ही कलइया, पग पग लिए जाऊं तोहरी बलइयां

कहे तोसे सजना ये तोहरी सजनिया , पग पग लिए जाऊं तोहरी बलइयां -2

मोहे लागे प्यारे सभी रंग तिहारे ,दुःख सुख में हर पल रहूँ संग तिहारे

दरदवा क बाटे उमर लरकइयाँ , पग पग लिए जाऊं तोहरी बलइयां

कहे तोसे सजना ये तोहरी सजनिया , पग पग लिए जाऊं तोहरी बलइयां -2

142. लोक धुन पर आधारित हिन्दी फ़िल्मी गीत

पान खाए सइया हमारो सावरी सुरतिया होठ लाल लाल

हाय हाय मलमल के कुरता , मलमल के कुरता पे ,छींट लाल लाल

हमने मंगाई सुरमे दानी, ले आया सइयां बनारस का जर्दा

अपनी ही दुनिया में खोया रहे वो ,हमरे दिल की ना पूछे बेदर्दा

पान खाए सइया हमारो सावरी सुरतिया होठ लाल लाल

हाय हाय मलमल के कुरता , मलमल के कुरता पे ,छींट लाल लाल

बगिया गुन गुन पायल छुन छुन ,चुपके से आई है रुत मतवाली

खिलं गयी कलियाँ , दुनिया जाने लेकिन न जाने बगिया का माली

पान खाए सइयान हमारो सावरी सुरतिया होठ लाल लाल

हाय हाय मलमल के कुरता , मलमल के कुरता पे ,छींट लाल लाल

खा के गिलोरी शाम से उनगे ,सो जाए वो दिया बाती से पहले

आँगन अटार में घबराई टहरू चोर के डर से दिल मोरा दहले

पान खाए सइयान हमारो सावरी सुरतिया होठ लाल लाल

हाय हाय मलमल के कुरता , मलमल के कुरता पे ,छींट लाल लाल

143. लोक धुन पर आधारित हिन्दी फ़िल्मी गीत

नदी नारे न जाओ श्याम पइयां पडू -2

नदी नारे जो जाओ तो जइबे करो , बीच धारे न जाओ श्याम पइया पडू

नदी नारे न जाओ श्याम पइयां पडू -2

बीच धारे जो जाओ तो जइबे करो – 2 उस पारे न जाओ श्याम पइयां पडू

नदी नारे न जाओ श्याम पइयां पडू -2

उस पारे जो जाओ तो जइबे करो संग सवतिया न लाओ श्याम पइयां पडू

नदी नारे न जाओ श्याम पइयां पडू -2

संग सवतिया जो लाओ तो लैबे करो -2 हमका ना मिलाओ श्याम पइयां पडू

नदी नारे न जाओ श्याम पइयां पडू -2

144. लोक धुन पर आधारित फ़िल्मी गीत

नजर लागी राजा तोरे बंगले पर -2

जो मैं होती राजा बन की कोयलिया

कुहुक रहती राजा तोरे बंगले पर

नजर लागी राजा तोरे बंगले पर -2

जो मैं होती राजा कारी बदरिया

बरस रहती राजा तोरे बंगले पर

नजर लागी राजा तोरे बंगले पर -2

जो मैं होती राजा बेला चमेलिया

लिपट रहती राजा तोरे बंग्ले पर

नजर लागी राजा तोरे बंगले पर -2

जो मैं होती राजा तूमरी दुल्हनिया

मटक रहती राजा तोरे बंगले पर

नजर लागी राजा तोरे बंगले पर   -2

145. लोक धुन पर आधारित फ़िल्मी गीत

चलत मुसाफिर मोह लिया रे , पिंजड़े वाली मुनिया -2

उड़ उड़ बैठी हलवइया दुकनिया ,बर्फी क सब रस ले लिया रे पिंजड़े वाली मुनिया

चलत मुसाफिर मोह लिया रे , पिंजड़े वाली मुनिया -2

उड़ उड़ बैठी पजज्वा दुकनिया ,कपडा के सब रस ले लिया रे पिंजड़े वाली मुनिया -2

चलत मुसाफिर मोह लिया रे , पिंजड़े वाली मुनिया -2

उड़ उड़ बैठी पनवरिया दुकनिया ,बीडा के सब रस ले लिया रे पिंजड़े वाली मुनिया

चलत मुसाफिर मोह लिया रे , पिंजड़े वाली मुनिया -2

146. लोकधुन पर आधारित फ़िल्मी गीत

रंग बरसे भीगे चुनर वाली ,रंग बरसे हो रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे

सोने की थाली में जेऊना परोसा

अरे ,खाए गोरी का यार बलम तरसे रंग बरसे

रंग बरसे भीगे चुनर वाली ,रंग बरसे हो रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे

लउगा इलायची का बीड़ा लगाया -2

अरे,चाबे गोरी का यार बलम तरसे रंग बरसे

रंग बरसे भीगे चुनर वाली ,रंग बरसे हो रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे

बेला चमेली का सेज बिछाया -2

अरे सोवे गोरी का यार बलम तरसे रंग बरसे

रंग बरसे भीगे चुनर वाली ,रंग बरसे हो रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे

147. लोक धुन पर आधारित फ़िल्मी गीत

आया आया अटरिया पे कोई चोर -2

हो भाभी आना दीपक जलाना

देखो बलम हैं की कोई और ,की डर गयी मैं, रे मर गयी मैं

आया आया अटरिया पे कोई चोर -2

मन उपर नीचे , खिड़की के पीछे ,अंखियों को मीचे

बैठी मैं सोचु सावरी तब क्या करू मैं बावरी बैरी बलम हो तो चुप रहूँ मै

दूजा कोई हो मचा दूँगी शोर , आया आया अटरिया पे कोई चोर – 2

धोका खाया है , जी घबराया है , कोई आया है

नैना मिले ना जग गए अंगना में कंगना बज गए ,मैं नाची ऐसे कटपुतली जैसे

ना जाने खींची ये   किसने डोर , आया आया अटरिया पे कोई चोर – 2

रैना मतवारी कारी कजरारी दइया मैं हारी देता दिखाई कुछ नहीं छूप ना गया हो वो कहीं

घर में छुपा हो तो जाएगा पकड़ा मन में छुपा हो तो फिर क्या है जोर

आया आया अटरिया पे कोई चोर – 2

148. लोक धुन पर आधारित फ़िल्मी गीत

मोहे पनघट पे नन्दलाल छेड़ गयो रे मोहे पनघट पे -2

मोरी नाजुक कलइया मरोड़ गयो रे .मोहे ......

कंकरी मोहे मारी -2 गगरिया फ़ोर डाली -2

मोरी सारी अनारी भिगोय गयो रे

मोहे पनघट पे नन्दलाल छेड़ गयो रे -2

नैनो से जादू किया -2 ,जियरा मोह लिया -2

मोरा घूँघटा , नजरियों से तोड़ गयो रे

मोहे पनघट पे नन्दलाल छेड़ गयो रे मोहे पनघट पे -2

149. लोक धुन पर आधारित फ़िल्मी गीत

बड़ी देर भइ नंदलाला तेरी राह तके बृज बाला -2

ग्वाल बाल एक एक से पूछें कहाँ है मुरली वाला रे

बड़ी देर भइ नंदलाला तेरी राह तके बृज बाला -2

कोई ना जाए कुञ्ज गलिन में तुझ बिन कलियाँ चुनने को -2

तरस रहे हैं जमुना के तट धुन मुरली की सुनने को

अब तो दरस दिखा दे नटखट क्यों दुविधा में डाला रे

बड़ी देर भइ नंदलाला तेरी राह तके बृज बाला

संकट में है आज वो धरती जिस पर तूने जनम लिया -2

पूरा कर दे आज वचन वो गीता में जो तूने दिया -

कोई नहीं है तुझ बिन मोहन भारत का रखवाला रे

बड़ी देर भइ नंदलाला तेरी राह तके बृज बाला – 2

150. ललनवा गीत

नदिया किनरवा कदम्वा क पेड़वा -2 अरे कृष्णा खेलन के जाए रे ललनवा

जाई केबैथाले कदम्वान की दरिया -2 अरे धीरे धीरे बंसिया बजाये रे ललनवा

बंसिया सबदिया राधा जे सुननी -2 अरे चली देहलीं जमुना के तीरे रे ललनवा

काहे के कृष्णा हो बंसिया बजवेला - अरे आल्हर नदी टूटी जाई रे ललनवा

जब तुही राधा रे करलू धियांवा -2 अरे तब हम बंसिया बजाई रे ललनवा

सासू हमारी मारे ननद गरियावे -2 अरे आप प्रभु घर से निकारें रे ललनवा

जीन राधा रोवा हो जीन राधा धोवा-2 अरे तुही राधा प्राण क आधार रे ललनवा

151.ललनवा गीत

जनक मंदिरवा में सोने क धनुसिया -2 अरे धनुस जे रहे बड़ी भारी रे ललनवा

एक दिन सीता हो घर लीपे गइनीं -2 अरे धनुस जे देलीं सरकाई रे ललनवा

राजा जनक जी प्राण एक ठंलें -2 अरे धनुस जे दी सरकाई रे ललनवा

जे यही धनुस के तोड़ी बहरहे   -2 अरे सीता बियाही ली जाई रे ललनवा

देस ही के राजा अरे धनुस उठावे -2 अरे धनुस जुमुस नहीं जाई रे ललनवा

गुरूजी के आज्ञा से राम धनुस उठावले -2 अरे धनुस जे तोड़ी बहाई रे ललनवा

तोड़ने धनुस करले चार खंड -2 अरे सीता बियही ले इ जाई रे ललनवा

उप शिक्षा निदेशक / प्राचार्य डायट द्वारा रचित गीत

152. बिदेसिया

जाई के पूरब पिया नेहिया बिसारी दिहलें ,कइलें करेजवा कठोर मोरे मितवा

चानी काटे सुगना रे गांछी अमरुतिया के ,चनवा के ताकला चकोर मोरे मितवा

पीपर के तारे तारे नदिया बहत बाटे ,पनिया में उठेला हिलोर मोरे मितवा

पोरे पोर हमरे उठेली दरदिया हो ,बहे पुरवइया झकझोर मोरे मितवा

जाके सती चौरा मो बारी ला दियनवा हो ,करी डीह बाबा से निहोर मोरे मितवा

रहिया बोहारत मोरा बीती जाला दिनवा हो ,रतिया बहावत बीते लोर मोरे मितवा

गंगा मइया तोहरा के पियरी चढइबे हो ,जेहि दिन अइहें पिया मोर मोरे मितवा

153. कजरी

अमवाँ की डारी कोइलरिया

बनवा में मोरे बोले मितउ

जगेले पीरितीया क भोर हो

मनवा विभोर होला मितउ

रिमझिम रिमझिम बरसे बदरिया

चले पुरव् इया त उड़ेले चुनरिया

त उड़ेले चुनरिया

बहेला पवन झकझोर हो

दरद पोरे पोर होला मीतउ

खनके कंगना बाजे पैजनिया

छुटल लरिक्पन आइल जवनिया

अंगना में कागा करे सोर हो

उप शिक्षा निदेशक / प्राचार्य डायट द्वारा रचित गीत

154.लोक गीत

कुहुकी करेजवा त रो लेबे सजना

तोहरा से बाकी बोलब ना

अन्सुअन अंखिया भिगो लेबे सजना

तोहरा से बाकी बोलब ना

लजिया क बतिया जहजिया से भारी

निरखि के चनवा में तोहरी सुरतिया

सुधियन सनेहिया सजा लेबे सजना

तोहरा से बाकी बोलब ना

155. लोक कल्याण

सुखी बसे संसार सब

दुखिया रहे न कोय

यह अभिलाषा हम सबकी

भगवन पूरी होय

विद्या बुद्धि तेज बल

सबके भीतर होय

बेटी-बेटा धान्य से

वंचित रहे न कोय

सांस्कृतिक कार्यक्रम
दर्पण
दिनांक– 26 नवम्बर 2019, दिन– मंगलवार
मुख्य मार्गदर्शक–
श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह IAS
जिलाधिकारी, आजमगढ़
स्थल– जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,

डायट - आजमगढ़

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
आजमगढ़